फाल्गुन कृष्ण पक्ष- 4, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 212 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
05 फरवरी 2026 गुरुवार

आज का मौसम
22.8 अधिकतम
13.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

न्यूज विंडो

आतंकी पन्नू के 2 स्लीपर सेल को किया गिरफ्तार

नईदिल्ली। खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस के दो स्लीपर सेल दिल्ली से गिरफ्तार किए गए हैं। ये दोनों आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम करते थे। दोनों स्लीपर सेल की गिरफ्तारी दिल्ली से हुई। इन दोनों ने 26 जनवरी के ठीक पहले दिल्ली में दो जगहों पर प्रो खालिस्तान लाइनें लिखकर माहौल खराब करने की कोशिश की थी। इस मामले के दोनों आरोपियों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आतंकी पन्नू ने दो लाख रुपये देने का लालच देकर स्लीपर सेल से काम कराया था।

उन्नाव में बाइक सवार दंपती व दो बच्चों को ट्रक ने कुचला

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सोहरामऊ थानाक्षेत्र के भल्ला फार्म तिराहे के पास बुधवार रात 11:30 बजे वैवाहिक कार्यक्रम से शामिल होकर लौट रहे बाइक सवार परिवार को तेज रफ्तार ट्रक ने कंटेनर को टक्कर मारने के बाद भागने की प्रयास में कुचल दिया। हादसे में दंपती और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। अजगैन कोतवाली व कस्बा निवासी वीरेंद्र पुत्र गुरुचरण परिवार के साथ लखनऊ के बंथरा थानाक्षेत्र के दयालखेड़ा गांव में वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

ओडिशा में पटरी से उतरी चेन्नई- जलपाईगुड़ी एक्स.

भुवनेश्वर। चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी-चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस के तीन डिब्बे जाजपुर रोड स्टेशन जखपुरा के पास पटरी से उतर गए। लाइन का मरम्मत कार्य चल रहा था, जिससे ट्रेन की रफ्तार कम थी। ऐसे में इस हादसे में किसी भी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया है। राहत बचाव के लिए भद्रक से एक टीम को भेजा गया है।इस घटना के बाद कुछ ट्रेन सेवा बाधित हुई है।

पुलिस और माओवादियों के बीच एनकाउंटर, नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। एक पुलिस अधिकारी ने इसकी पुष्टी की। जिले के दक्षिणी हिस्से के जंगल में सुबह 7:30 बजे यह फायरिंग शुरू हुई, जब सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम एंटी-नक्सल ऑपरेशन पर निकली थी। एक अधिकारी के अनुसार फायरिंग का सिलसिला अभी भी जारी है। अब तक मुठभेड़ स्थल से एक नक्सली का शव और एक एके-47 राइफल बरामद हुई है।

ईरान-अमेरिका के बीच मस्कट में परमाणु वार्ता तय

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता का समय और तारीख फिक्स हो गई है। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि मस्कट में शुक्रवार सुबह लगभग 10 बजे अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता निर्धारित है। अराघची ने आगे कहा: 'मैं हमारे ओमान के भाइयों का आभारी हूं, जिन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। '

आज का कार्टून

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में खुलासा... अमेरिका से रिश्ते सुधारने में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की बड़ी भूमिका

डोभाल ने कह दिया था... भारत किसी दबाव में नहीं आएगा, ट्रंप के हटने का इंतजार करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील अभी सामने आई है लेकिन पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की बड़ी भूमिका रही है। इसका खुलासा अमेरिकी मीडिया ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में हुआ है। दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने के लिए डोभाल को वॉशिंगटन भेजा गया था। वहां उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। रिपोर्ट के मुताबिक रूबियो से बातचीत में डोभाल ने साफ कहा कि भारत अमेरिका के साथ चल रही कड़वाहट को खत्म करना चाहता है और दोबारा ट्रेड डील पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले साल सितंबर की शुरुआत में चीन गए थे, जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दोस्ताना मुलाकात की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद भारत ने अमेरिका के साथ बिगड़ते रिश्तों को संभालने की कोशिशें तेज कर दी थीं। इसी के तहत अजीत डोभाल को भेजा गया था। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा यह भी हुआ है कि डोभाल ने चर्चा में साफ़ कर दिया था कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम सख्त रुख अपनाती है, तो भारत मौजूदा सरकार के कार्यकाल के खत्म होने का इंतजार भी कर सकता है। भारत इससे पहले भी अमेरिका की मुश्किल सरकारों का सामना कर चुका है। डोभाल ने यह भी कहा था कि भारत चाहता है कि ट्रंप और उनके सहयोगी भारत के खिलाफ खुलेआम बयान देना बंद करें, ताकि रिश्ते

दोबारा पटरी पर आ सकें। उस वक्त भारत ट्रंप के बयानों से नाराज था, क्योंकि अगस्त में ट्रंप ने भारतीय सामान पर 50 फीसदी टैक्स लगा दिया था। ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड' (मरी हुई) कहा था और आरोप लगाया था कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में मदद कर रहा है।

और...बदलने लगे हालात

रिपोर्ट के मुताबिक, डोभाल की इस बातचीत के कुछ ही दिनों बाद हालात बदलते दिखने लगे। 16 सितंबर को ट्रंप ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिन पर फोन किया और उनके काम की तारीफ की। इसके बाद साल के अंत तक दोनों नेताओं के बीच चार बार और फोन पर बातचीत हुई। इसी दौरान दोनों देश टैक्स कम करने वाले समझौते की तरफ बढ़ते रहे। बीती 2 फरवरी को अचानक सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से फोन पर बातचीत की है और भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस ऐलान से नई दिल्ली में कई बड़े अधिकारी भी चौंक गए। यहां तक कि जो लोग ट्रेड बातचीत में शामिल थे, उन्हें भी उस दिन मोदी और ट्रम्प की कॉल के बारे में पहले से जानकारी नहीं थी।

जयशंकर ने क्रिटिकल मिनरल्स ब्लॉक का समर्थन किया

वॉशिंगटन। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि भारत क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन में रिस्क कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समर्थन करता है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों से समन्वित ट्रेडिंग फ्रेमवर्क की दिशा में काम करने का आग्रह किया है। वॉशिंगटन में आयोजित 'क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल' को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने ग्लोबल सप्लाई चेन में अत्यधिक एकाग्रता से पैदा होने वाले जोखिमों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि इन जोखिमों को कम करने के लिए देशों के बीच समन्वित और संरचित सहयोग जरूरी है। जयशंकर ने सप्लाई चेन को मजबूत बनाने के लिए भारत की पहलों का उल्लेख किया। इनमें नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन, रेयर अर्थ कॉरिडोर्स और जिम्मेदार वाणिज्य शामिल हैं। उन्होंने क्रिटिकल मिनरल्स से जुड़ी 'फोर्ज' पहल के लिए भी भारत के समर्थन की बात कही। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने सहयोगी और साझेदार देशों से मिलकर वैश्विक क्रिटिकल मिनरल्स बाजार को नया आकार देने का आह्वान किया। वेंस ने कहा कि आधुनिक अर्थव्यवस्थाएं अब भी 'वास्तविक चीजों' पर निर्भर हैं और क्रिटिकल मिनरल्स तेल और गैस जितने ही जरूरी हैं।

वॉशिंगटन पोस्ट में छंटनी

थरूर के बेटे ईशान की भी नौकरी गई

न्यूयॉर्क, एजेंसी

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अखबारों में गिने जाने वाले द वॉशिंगटन पोस्ट में बड़े पैमाने पर छंटनी की गई। छंटनी के बाद कई वरिष्ठ और अनुभवी पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द साझा किया। इस छंटनी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे ईशान थरूर भी शामिल है। ईशान लंबे समय से वॉशिंगटन पोस्ट से जुड़े थे। छंटनी का शिकार हुए ईसान थरूर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपना दर्द साझा किया। ईशान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्हें नौकरी से निकाले जाने का बेहद दुख है।

भोपाल का 'सीरियल कटर मैन' गिरफ्तार

भोपाल। शहर में पिछले दिनों पिपलानी और अयोध्या नगर में युवतियों पर ब्लेड से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। देर रात छोला क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक वह सागर जिले का रहने वाला है और अपनी पत्नी से हुए झगड़े के बाद युवतियों पर हमला कर गुस्सा निकाल रहा था।

शाह पर मुकदमा चलाने की अनुमति का मामला

कोर्ट की मोहलत के दो हफ्ते बीते, जल्द लेना होगा फैसला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई अपमानजनक टिप्पणी के मामले में अभियोजन स्वीकृति के संबंध में निर्णय लिए जाने की सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय दो हफ्ते की समयावधि आज समाप्त हो रही है।

उधर, मोहन यादव सरकार और बीजेपी प्रदेश संगठन को इस मामले को पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के फैसले का इंतजार है। सूत्रों का कहना है कि सरकार सभी परिस्थितियों पर विचार कर रही है और केंद्रीय नेतृत्व को सभी तरह के हालत से अवगत करा दिया है। मामले से जुड़े अफसरों का कहना है कि केंद्रीय नेतृत्व के फैसले का इंतजार किया जा रहा है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने दिल्ली प्रवास के दौरान भी इस मामले में केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा की है और वहां से आने वाले फैसले पर ही आगे की कार्रवाई तय होगी। सामान्य प्रशासन विभाग के अफसरों का कहना है कि अभी तक उनके पास कोई निर्देश नहीं आए हैं।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 19 जनवरी को राज्य सरकार को

निर्देश दिया था कि विजय शाह के विरुद्ध एसआईटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर लंबित अभियोजन स्वीकृति पर दो सप्ताह के अंदर निर्णय लिया जाए। यह अवधि 2 फरवरी को पूरी हो गई है लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं हो सका है।

9 फरवरी को होगी सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई

सरकार के सूत्रों को कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 9 फरवरी को है, लेकिन कार्यदिवस के आधार पर 2 सप्ताह की मोहलत 5 फरवरी तक है। इसलिए सरकार के पास अभी 3 दिन का वक्त है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित एसआईटी 6 माह पहले ही अपनी अंतिम जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को भेज चुकी है। रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि के साथ ही मुकदमा चलाने की स्वीकृति देने की सिफारिश की गई है।

सहकारिता पर आधारित पहली सेवा, ड्राइवर्स को भी फायदा

भारत टैक्सी ऐप की आज लॉन्चिंग, सफर होगा सस्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश की पहली को-ऑपरेटिव टैक्सी सर्विस 'भारत टैक्सी ऐप' आज आधिकारिक रूप से लॉन्च हो रही है। यह एक स्वदेशी ऐप है, जो ओला-उबर जैसी सेवाओं के मुकाबले कम दाम में सफर की सुविधा देगा। इसकी पायलट शुरुआत दिल्ली में पिछले साल 2 दिसंबर से हुई थी और अब यह तेजी से लोकप्रिय हो रही है। गूगल प्ले स्टोर पर इसके एक लाख से ज्यादा डाउनलोड हो चुके हैं। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के अनुसार, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की पहल से शुरू की गई यह सेवा देश की अलग-अलग सहकारिता संस्थाओं द्वारा संचालित की जाएगी।

इस देसी टैक्सी एप पर 1 लाख 40 हजार से ज्यादा ड्राइवर रजिस्टर्ड हैं। इसका मकसद पैसेंजर को सस्ता और सुरक्षित सफर देना है, साथ ही ड्राइवर को ज्यादा कमाई होगी और कोई सरप्राइज कमीशन नहीं नहीं लिया जाएगा। इसे ड्राइवरों का अपना प्लेटफॉर्म बनाया गया है। इसमें कैब, ऑटो, बाइक बुक कर सकते हैं। साथ ही रेंटल, इंटरसिटी ट्रिप और मेट्रो टिकट भी बुक होते हैं। ऐप हिंदी, इंग्लिश और गुजराती में उपलब्ध है। आगे और भाषाएं आने वाली हैं। ये ऐप कोई कमीशन नहीं लेता, ड्राइवर को पूरा फेयर मिलता है। पैसेंजर को ट्रांसपरेंट फेयर मिलता है, कोई सरज चार्ज नहीं है।

खरगे से बोले नड्डा... अपनी पार्टी को अबोध बालक का बंधक मत बनाइए

नईदिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में आज कार्यवाही शुरू होने के बाद सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के बीच तीखी बहस देखने को मिली। जेपी नड्डा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ना नाम लिए बगैर, उन्हें अबोध बालक कहा।

राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से कहा, 'आप हमसे बहुत सीनियर हैं... एक बात मैं जरूर निवेदन करूंगा। अपनी पार्टी को अबोध बालक का बंधक मत बनने दीजिए।' जेपी नड्डा ने कहा कि अबोध और अहंकार का मिक्सचर डेडली होता है। कांग्रेस को उस अबोध व्यक्ति से बाहर निकलना चाहिए। आपको पार्टी के अंदर भी इस बात को समझाना चाहिए कि लोकतांत्रिक तरीके

से ही हमें काम करना है। नड्डा ने कहा, प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार हर समय और सभी विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है। लोकसभा में पीएम जवाब देने के लिए तैयार बैठे रहे, लेकिन विपक्ष ने लोकसभा को चलने नहीं दिया। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष को सदन की कार्यवाही में बाधा नहीं डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने नहीं देना का आरोप गलत है।

अल फलाह का चेयरमैन जवाद अहमद गिरफ्तार

फरीदाबाद, एजेंसी

हरियाणा के फरीदाबाद में स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी एक बार फिर जांच एजेंसियों के रडार पर आ गई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने विश्वविद्यालय के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दिकी को कथित धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया, उसे पुलिस को चार दिन की हिरासत मिली है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सिद्दिकी पर गंभीर वित्तीय व प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप हैं। पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियों के सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

मेट्रो एंकर | **हरियाणा के छोटे से गांव की हैं यशस्वी सोलंकी, बेटियों के लिए बनी प्रेरणा**

स्कूल में देखा सपना, टीचर की बेटी बनी राष्ट्रपति की पहली महिला एडीसी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर यशस्वी सोलंकी, राष्ट्रपति की पहली महिला एड-डी-कैंप हैं। यहां तक पहुंचना उनके लिए किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। उनसे पहले कोई भी महिला राष्ट्रपति की एडीसी नहीं बनी थी। इस पद पर उनकी नियुक्ति न केवल पहली थी, बल्कि एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा में बड़ा बदलाव भी थी। यशस्वी सोलंकी की सक्सेस स्टोरी देश की अनगिनत बेटियों के लिए प्रेरणा है।

यशस्वी सोलंकी, हरियाणा के चरखी दादरी जिले के एक छोटे गांव से आती हैं। उनके पिता एक सरकारी स्कूल में टीचर हैं और मां गृहणी हैं। चरखी जिले में स्कूलिंग के बाद, उन्होंने आगे की पढ़ाई दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज से की है। बहुत छोटी सी उम्र में यशस्वी का लक्ष्य साफ था। उन्होंने 7वीं क्लास में ठान लिया था कि उन्हें सेना की वर्दी पहननी है। यशस्वी ने साल 2012 में यूपीएससी का नेशनल डिफेंस एकेडमी एग्जाम क्रैक किया था। एनडीए एग्जाम क्रैक करने के बाद, उन्होंने शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत इंडियन नेवी की लॉजिस्टिक ब्रांच ज्वॉइन की थी। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां प्लानिंग और शांत लीडरशिप की जरूरत होती है। राष्ट्रपति की पहली महिला एडीसी और सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर के सबसे करीबी यूनिफॉर्म वाले अधिकारियों में से एक बनने के लिए एक टफ

ओरिएंटेशन से गुजरना पड़ता है। इसके लिए उन्हें पहले 15 दिनों तक राष्ट्रपति भवन में रखा गया। इस दौरान अफसर की शारीरिक क्षमता, बुद्धिमत्ता और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता को परखा जाता है। राष्ट्रपति ने खुद उनका इंटरव्यू लिया। रिपोर्ट्स की माने तो महिला एडीसी के चयन के लिए मानदंड वही थे। ऊंचाई और शारीरिक फिटनेस की आवश्यकता 173 सेमी थी। यशस्वी सोलंकी, जो पहले जिला स्तर पर बैडमिंटन और वॉलीबॉल खिलाड़ी थीं, इस पैमाने पर खरी उतरीं। एकमात्र छूट यह थी कि गैर-स्थायी कमीशन वाली महिला अधिकारियों को भी अनुमति दी गई थी।

प्रोटोकॉल में एडीसी की भूमिका अहम्

दरअसल, राष्ट्रपति के पास आमतौर पर 5 एडीसी होते हैं। इनमें से तीन आर्मी से, एक नेवी से और एक एयरफोर्स से होते हैं। इनकी भूमिका राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के बीच एक ब्रिज की तरह होती है। ये राष्ट्रपति, सरकार और मिलिट्री के अलग-अलग हिस्सों के बीच सही तालमेल और कम्युनिकेशन पक्का करने में अहम भूमिका निभाते हैं। आमतौर पर आर्मी, नेवी या एयर फोर्स के मेजर या उसके बराबर रैंक का एक युवा ऑफिसर एडीसी ऑफिशियल कामों, प्रोटोकॉल ड्यूटी, मीटिंग और सेरेमोनियल फंक्शन में मदद करता है। वे राष्ट्रपति के डेली शेड्यूल और हाई-लेवल मीटिंग्स को भी मैनेज करते हैं। इसके अलावा यह भी पक्का करते हैं कि ऑफिशियल इवेंट्स और डेली रूटीन वर्क के दौरान सभी नियमों का ठीक से पालन किया जाए।

बिना डॉक्टर की सलाह के क्रीम का इस्तेमाल पड़ेगा भारी

फंगल इंफेक्शन अब पहले से ज्यादा आक्रामक स्टेरॉइड बीमारी खत्म नहीं करते, सिर्फ दबाते हैं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शरीर पर हल्की-सी खुजली या लाल चकत्ते दिखाकर सीधे मेडिकल स्टोर से एक ट्यूब खरीद लेने की आदत लोगों को लंबे समय तक चलने वाली गंभीर बीमारी की तरफ धकेल रही है। रिंग वर्म यानी दाद, जो पहले 15 से 30 दिन में ठीक हो जाया करता था, अब कई मामलों में एक साल या उससे ज्यादा समय तक पीछा नहीं छोड़ रहा। इसकी वजह एक नया और ज्यादा ताकतवर फंगस है। इसके साथ ही ज्यादा खतरनाक कारण है, बिना डॉक्टर की सलाह स्टेरॉइड और कॉम्बिनेशन क्रीम का इस्तेमाल करना। इससे ना केवल चेहरों पर बाल उगते हैं और त्वचा जल जाती है बल्कि लिवर तक को नुकसान पहुंचता है।

भारतीय त्वचा रोग विशेषज्ञ संघ ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए 18 ऐसी क्रीम के लेकर अलर्ट किया है। एम्स के त्वचा रोग विभाग ने इस अलर्ट को ओपीडी में सर्कुलेट भी किया है। जिससे लोगों को अवेयर किया जा सके। एम्स के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष खंडारे ने बताया कि कई क्रीम इलाज करने की बजाय संक्रमण को दबाती हैं और अंदर ही अंदर बीमारी को और मजबूत बना देती हैं। यही हाल रहा तो आने वाले समय में फंगल इंफेक्शन का इलाज डॉक्टरों के लिए भी बड़ी चुनौती बन जाएगा।

त्वचा रोग विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले कुछ सालों में फंगल इंफेक्शन का पैटर्न पूरी तरह बदल गया है। अब जो फंगस सामने आ रहा है, वह पहले से ज्यादा आक्रामक है। इस पर आम एंटी-फंगल दवाएं असर नहीं कर पा

रहीं। इसकी सबसे बड़ी वजह स्टेरॉइड बेस्ड क्रीम का धड़ल्ले से इस्तेमाल है। स्टेरॉइड बीमारी को खत्म नहीं करते, बल्कि लक्षणों को कुछ समय के लिए दबा देते हैं। इससे मरीज को लगता है कि वह ठीक हो गया, लेकिन कुछ ही दिनों में संक्रमण और ज्यादा फैलकर लौट आता है। आज की व्यस्त जिंदगी में लोग रेपिड सॉल्यूशन चाहते हैं। शरीर के किसी हिस्से में रैश या खुजली हुई नहीं कि सीधे मेडिकल स्टोर पहुंच जाते हैं। वहां बिना जांच के एक क्रीम खरीद ली जाती है। डॉ. खंडारे कहते हैं- दवा दुकानदारों की सोच यह रहती है कि कुछ न कुछ तो काम कर ही जाएगा। अधिकतर क्रीम में स्टेरॉइड, एंटीफंगल और एंटीबायोटिक तीनों का मिक्सचर होता है। इससे शुरुआत में खुजली और लालिमा कम हो जाती है, लेकिन असल बीमारी अंदर ही अंदर फैलती रहती है।

कई कॉम्बिनेशन क्रीम पर बैन, फिर भी बिक रहीं

एम्स के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष खंडारे के अनुसार चौंकाने वाली बात यह है कि कई कॉम्बिनेशन क्रीम पर बैन लगा हुआ है। इसके बावजूद कंपनियां इन्हें बना भी रही हैं और बाजार में खुलेआम बिक भी रही हैं। इससे त्वचा रोग धीरे-धीरे रजिस्टेंट होते जा रहे हैं। अगर यही हाल रहा, तो भविष्य में इन बीमारियों का इलाज बेहद मुश्किल हो जाएगा। लगातार हेवी स्टेरॉइड क्रीम से लड़ते-लड़ते फंगस खुद को बदल रहा है। यह अब ज्यादा तेजी से फैल रहा है और ज्यादा गंभीर इंफेक्शन पैदा कर रहा है। अब यह समस्या केवल निजी नहीं, बल्कि पब्लिक हेल्थ इश्यू बनती जा रही है।

रिंग वर्म मामलों में तेजी, लिवर तक पहुंच रहा असर

गांधी मेडिकल कॉलेज के कम्यूनिटी मेडिसिन एक्सपर्ट डॉ. कुलदीप गुप्ता बताते हैं कि रिंग वर्म के मामलों में तेज बढ़ोतरी हुई है। तुरंत आराम के लिए लोग स्टेरॉइड दवाएं ले रहे हैं। इससे बीमारी दब जाती है, लेकिन दवा बंद करते ही वापस लौट आती है। लंबे समय तक स्टेरॉइड लेने से लिवर में सूजन जैसी गंभीर समस्याएं भी सामने आ रही हैं। सही इलाज में 30 से 45 दिन लगते हैं, लेकिन लोग बीच में कोर्स छोड़ देते हैं, जिससे बीमारी फिर उभर आती है।

एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल दवाएं भी बेअसर

स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि कई मामलों में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल दवाएं असर करना बंद कर चुकी हैं। डॉ. खंडारे के अनुसार, स्टेरॉइड से शरीर की इम्यूनोलॉजी बदल जाती है। जो दवा पहले एक हफ्ते में असर दिखा देती थी, अब वही दवा 6 महीने या एक साल में भी पूरा असर नहीं कर पा रही। पहले एक दवा काफी होती थी, अब 2-3 तरह की दवाएं देनी पड़ रही हैं।

गलत दवाओं का इस्तेमाल बड़ा

स्टेरॉइड बेस्ड क्रीम लगाने पर मरीज को 2-3 दिन में राहत मिल जाती है। यही सबसे बड़ा धोखा है। असल में रैशेस के पीछे कई कारण हो सकते हैं। फंगल इंफेक्शन, बैक्टीरियल इंफेक्शन और एलर्जी अलग अलग बीमारी हैं। इनके लिए अलग दवा होती है। गलत दवा लगाने से बीमारी दबती नहीं, बल्कि मजबूत हो जाती है। होम्योपैथी वेलनेस सेंटर की प्रभारी डॉ. जूही गुप्ता बताती हैं कि गलत इलाज के कारण जो रोग पहले 15 से 30 दिन में ठीक हो जाते थे, अब महीनों तक चल रहे हैं। कई मरीज एक साल से ज्यादा समय तक दाद से परेशान हैं। स्टेरॉइड दवाएं शरीर की इम्यूनिटी को भी प्रभावित करती हैं। इससे सही दवा का असर भी कमजोर हो जाता है। जब मरीज बाद में डॉक्टर के पास पहुंचता है, तब भी इलाज में बहुत समय लगता है।

इस बार का सर्वे पिछली बार से बिल्कुल अलग

अब पोर्टल नहीं, 'दीवारें और सड़कें' देंगी शहर की सफाई को रैंक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में फरवरी के दूसरे सप्ताह में स्वच्छ सर्वेक्षण टीम की दस्तक दे सकती है। नगर निगम भले ही 7-स्टार रेटिंग और शीर्ष पायदान बरकरार रखने के दावे कर रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों के विपरित है।

दरअसल, इस बार का सर्वे पिछली बार से बिल्कुल अलग होगा। अब कागजी रिपोर्ट नहीं, बल्कि शहर की सड़कें और दीवारें बोलेंगी। फीडबैक केवल पोर्टल तक सीमित नहीं है, बल्कि टीम बिना सूचना के मौके पर जाकर फोटो-वीडियो के जरिए वास्तविकता दर्ज करेगी। यदि नगर निगम ने अंतिम समय में युद्ध स्तर पर सुधार नहीं किया, तो 7-स्टार का सपना केवल सपना ही रह जाएगा। पिछले एक साल में भले ही स्वच्छता से जुड़े संसाधन बढ़े हों, मशीनें खरीदी गई हों और कागजों में योजनाएं बदली हों, लेकिन साफ-सफाई की वास्तविक स्थिति में कोई बड़ा सुधार नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में टाप-5 रैंक भी इस बार मुश्किल नजर आ रही है। यह कहना इसलिए गलत नहीं होगा, क्योंकि कचरे के ढेर, टूटे फुटपाथ और गंदे शौचालय आसानी से कहीं भी नजर आ जाते हैं। - कब गायब होंगे पीले-लाल निशान स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के नए मानकों ने निगम की चिंता बढ़ा दी है।

बताया जाता है कि कुल 12 हजार 500 अंकों में से 10 हजार 500 अंक सीधे स्थल निरीक्षण पर आधारित हैं। इसमें सबसे बड़ी फांस येलो स्पाट और रेड स्पॉट के रूप में सामने आई है। इन दोनों के लिए 75-75 अंक निर्धारित हैं। यदि सर्वे टीम को शहर की दीवारों पर गंदगी दिखी, तो भोपाल के खाते से सीधे 150 अंक कट जाएंगे।

धूल और गंदगी से जूझता शहर

पिछले साल 12 हजार 067 अंक पाकर देश में दूसरा स्थान हासिल करने वाला भोपाल इस बार सुस्त नजर आ रहा है। शहर के सार्वजनिक शौचालयों की हालत खस्ता है। फुटपाथ टूटे हुए हैं और सड़कों पर उड़ती धूल वायु गुणवत्ता के मानकों पर सवाल उठा रही है। तालाबों की सफाई और स्कूलों में स्वच्छता 75 अंक की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है।

अयोध्या नगर में कचरे का अंबार

भोपाल। शहर के अयोध्या नगर क्षेत्र में दिन पर दिन कचरे की गंभीर समस्या बढ़ती जा रही है। कॉलोनियों, मुख्य सड़कों और गलियों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं, लेकिन नगर निगम इस ओर पूरी तरह से अनदेखी करता नजर आ रहा है। हालात ऐसे हो चुके हैं कि लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कई-कई दिनों तक कचरा उठाने वाली गाड़ियां नहीं पहुंचती, जिसके कारण सड़कों पर कचरा सड़ता रहता है। इससे क्षेत्र में तेज बदबू, मच्छर-मक्खियों का प्रकोप और संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ रहा है। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोग सबसे ज्यादा परेशान हैं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। सफाई कर्मचारी कभी-कभार औपचारिकता निभाकर चले जाते हैं, लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा।

पांच से छह मंजिला भवन का निर्माण प्रस्तावित

कलेक्ट्रेट के मौजूदा परिसर में बनेगी नई बिल्डिंग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कलेक्ट्रेट के मौजूदा परिसर में ही नई बिल्डिंग बनाई जाएगी। यहां कलेक्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के कार्यालयों के लिए पांच से छह मंजिला भवन का निर्माण प्रस्तावित है। किस विभाग को कितनी जगह की आवश्यकता होगी, इसे लेकर बीते दिनों संभागायुक्त कार्यालय में संभागायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक के दौरान अधिकारियों से उनके कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या और आवश्यक स्पेस की जानकारी ली गई। एक-एक कर सभी विभागों ने अपनी जरूरतों से संभागायुक्त को अवगत कराया। नए भवन में जिला कलेक्टर कार्यालय, संभागायुक्त कार्यालय, पुलिस विभाग सहित खाद्य आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा, आबकारी, तहसील, महिला एवं बाल विकास समेत अन्य विभागों के कार्यालय एक ही परिसर में बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य यह है कि आम नागरिकों को अलग-अलग जगह भटकना न पड़े और एक ही परिसर में उनके काम पूरे हो सकें।

बैठक में नए भवन की संभावित डिजाइन भी प्रस्तुत की गई, जिसमें यह दर्शाया गया कि किस मंजिल पर कौन-सा विभाग रहेगा। एडीएम अंकुर मेश्राम ने बताया कि इसी जानकारी के आधार पर हाउसिंग बोर्ड द्वारा भवन की फाइनल डिजाइन तैयार की जाएगी।

यह भी जानिए: पांच से छह मंजिला इमारत का प्रस्ताव सभी प्रमुख विभाग एक ही परिसर में होंगे, अधिक भीड़ वाले विभागों को मिलेगा ज्यादा स्पेस, प्रोफेसर कॉलोनी का प्रस्ताव पर्यावरणीय कारणों से निरस्त, हाउसिंग बोर्ड अंतिम डिजाइन तैयार करेगा।

अधिक भीड़ वाले विभागों को मिलेगा ज्यादा स्पेस

नए भवन में जिन विभागों में लोगों की आवाजाही अधिक रहती है, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक जगह दी जाएगी। इसमें जिला कलेक्टर कार्यालय, तहसील, पुलिस विभाग और लोक सेवा केंद्र शामिल हैं। वहीं, जिन विभागों में आमजन की आवाजाही कम रहती है, उन्हें कम स्पेस आवंटित किया जाएगा, जैसे महिला एवं बाल विकास, जिला शिक्षा, आबकारी और खाद्य विभाग।

प्रोफेसर कॉलोनी में प्रस्तावित भवन निरस्त

पहले कलेक्ट्रेट का नया भवन प्रोफेसर कॉलोनी क्षेत्र में बनाने का प्रस्ताव था, जिसके लिए करीब 13 एकड़ जमीन चिन्हित की गई थी। हालांकि जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और पर्यावरणविदों के विरोध के चलते यह प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया। विरोध का कारण पेड़ों की कटाई और छोटे तालाब से सटे क्षेत्र में पर्यावरण एवं जैवविविधता को संभावित नुकसान बताया गया। इसी को देखते हुए शासन-प्रशासन ने मौजूदा कलेक्ट्रेट परिसर में बने पुराने कार्यालयों को हटाकर वहीं बहुमंजिला भवन बनाने का निर्णय लिया है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया था शोध

बरकतउल्लाह विवि की शोधार्थी को मिला सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बीयू के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की शोधार्थी नमिता अहाके ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। उन्हें एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया की 66 वीं वार्षिक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस एवं रिसर्च कॉन्क्लेव में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 12 से 15 नवम्बर 2025 के दौरान देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय देहरादून में आयोजित किया गया था, जिसमें मोता फेलोशिप के अंतर्गत शोधरत नमिता अहाके ने जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रागिनी गोथलवाल के मार्गदर्शन में अपना शोधकार्य प्रस्तुत किया, जो कि पर्यावरण के पुनस्थापन में सूक्ष्म जीवों की भूमिका विषय वर्ग के अंतर्गत धान की मिट्टी से प्राप्त कीटनाशक सहनशील जीवाणुओं की वृद्धि पर आधारित शोध पोस्टर था, जिसे पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि की दिशा में उपयोगी बताया गया।

महाशिवरात्रि पर्व की तैयारी जोरशोर से शुरू

भोजपुर में 21 फीट ऊंचे शिवलिंग से प्रवाहित किया जाएगा गंगाजल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में महाशिवरात्रि पर्व की जोरशोर से तैयारी शुरू हो गई है. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल द्वारा भोजपुर में 23 वां विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा।

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर भोजपुर में भंडारे के दौरान 21 फीट ऊंचे शिवलिंग पर पवित्र गंगाजल निरंतर प्रवाहित होगा। उन्होंने बताया कि मंडल के सदस्यों की बैठक तुरंत महादेव मंदिर इंद्रपुरी में संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भंडारे में एक लाख 21 हजार भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा, जिसमें साबूदाने की खीर, साबूदाने की खिचड़ी, साबूदाने के बड़े, आलू चाट, फल, चाय शामिल है। साथ ही जिन भक्तों का व्रत नहीं होगा, उनके लिए स्पेशल कढ़ी चावल की व्यवस्था की जाएगी। बैठक के पूर्व पंडित गिरीश मिश्रा द्वारा भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन विधि विधान से कराया गया। वहीं शहर में भी शिवरात्रि को लेकर तैयारी चल रही है। हर साल जगह-जगह भंडारे आयोजित किए जाते हैं।

आध्यात्मिक चेतना से प्रेरित चित्रों की प्रदर्शनी 6 से

भोपाल। कला प्रेमियों के लिए लगने जा रही है, एक ऐसी प्रदर्शनी, जहां वे चित्रकला के माध्यम से योगिनी परंपरा की गहराई और सौंदर्य को नजदीक से महसूस कर सकेंगे. भारतीय कला और आध्यात्मिक चेतना से प्रेरित चित्रों की विशेष प्रदर्शनी 6 फरवरी से भारत भवन में शुरू हो रही है. तीन दिवसीय इस कला आयोजन में प्रसिद्ध चित्रकार बीना एस उन्नीकृष्णन की चयनित कृतियां प्रदर्शित की जाएंगी. प्रदर्शनी 64 योगिनी मंदिर पर आधारित होगी, जो कि प्रदर्शनी 8 फरवरी तक चलेगी।

साप्ताहिक ऑनलाइन बुधवारीय गोष्ठी

लघुकथा सृजन में कल्पना और यथार्थ के बीच संतुलन होना जरूरी - मैथिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लघुकथाएं आपने कितनी लिखी से ज्यादा ज़रूरी आपने लघुकथाएं कैसी लिखी यानि सृजन में संख्या से अधिक गुण का महत्व है। साथ ही लघुकथा सृजन में कल्पना और यथार्थ के बीच संतुलन बहुत जरूरी है । यह विचार वरिष्ठ लघुकथाकार और समीक्षक घनश्याम मैथिल अमृत ने व्यक्त किये। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित साप्ताहिक ऑनलाइन बुधवारीय गोष्ठी में बोल रहे थे। इस अवसर पर नागपुर की डॉ. आरती सिंह एकता के एकल लघुकथा पाठ की समीक्षा की गई। इस आयोजन में सर्वप्रथम केंद्र ओर से कर्नल डॉ. गिरिजेश सक्सेना ने स्वागत उदबोधन दिया। डॉ. आरती

सिंह ने भ्रष्टाचार पर चोट करती 'शोषण' सम्प्रदायिकता पर प्रहार करती 'सुरक्षा कवच' आदिवासी समुदाय की परम्पराओं पर 'घोटुल', निराश्रित बेसहारा बच्चों पर 'ब्रह्म कमल' और आज की दूषित राजनीति पर 'उल्लू नहीं होता उल्लू' लघुकथाओं का प्रभावी वाचन किया। इन लघुकथाओं पर डॉ. मिथिलेश अवस्थी, मनोरमा पंत, अनिता रश्मि, डॉ. ममता माली और कांता रॉय ने विस्तृत टिप्पणियाँ कीं। कार्यक्रम के अंत में लेखिका ने केंद्र और सभी उपस्थित जनों का आभार प्रकट किया। आयोजन में देश प्रदेश के अनेक लघुकथा प्रेमी लेखक पाठक उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

अब बीएलओ घर आकर करेंगे सत्यापन

2.27 लाख नोटिस के बाद मची अफरा-तफरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी की सातों विधानसभा सीटों की मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाने के अभियान में अचानक आई तकनीकी और तार्किक विसंगतियों ने जिला निर्वाचन कार्यालय का गणित बिगाड़ दिया है। पहले केवल 1.16 लाख नो मैपिंग वाले मतदाताओं के लिए शेड्यूल बनाया गया था, लेकिन अब नाम, उम्र और पते जैसी गलतियों वाले 2 लाख 27 हजार 129 मतदाताओं को नोटिस जारी होने से वार्ड दफ्तरों में काम का बोझ और भीड़ दोनों बढ़ गई है।

कलेक्टर ने नई व्यवस्था लागू की

बढ़ती भीड़ और मतदाताओं की परेशानी को देखते हुए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने नई व्यवस्था लागू की है। अब जिन लोगों को नोटिस मिले हैं, उन्हें वार्ड दफ्तरों या एईआरओ के चक्कर काटने की मजबूरी नहीं होगी। बीएलओ सीधे मतदाता के घर जाकर दस्तावेजों का सत्यापन कर सकेंगे। इससे बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

सुनवाई का समय बढ़ा, अब 14 फरवरी तक मौका

लॉजिकल विसंगतियों की बड़ी संख्या को देखते हुए जिला निर्वाचन कार्यालय ने पूर्व निर्धारित शेड्यूल में बदलाव किया है। अब सुनवाई की तिथि 14 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। वार्ड दफ्तरों में रोजाना 250 से 300 लोगों की सुनवाई की जा रही है, ताकि समय पर एसआईआर का काम पूरा किया जा सके। इस दौरान नए नाम जोड़ने और पते में संशोधन से जुड़े आवेदन भी लिए जा रहे हैं।

शासकीय आवास आवंटन नियमों में संशोधन हुआ लागू

नेताओं-अफसरों को निर्धारित अवधि में खाली करने होंगे बंगले, नहीं तो लगेगी दस गुना पेनाल्टी

रिटायर होने की स्थिति में छह महीने तक आवास में रह सकेंगे अधिकारी कर्मचारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के चार ईमली, 74 बंगले, 45 बंगले, प्रोफेसर कालोनी समेत अन्य स्थानों पर सरकारी बंगलों में रहने वाले पूर्व मंत्रियों, निगम मंडल के पूर्व अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, राजनीतिक दलों के साथ उन अधिकारी कर्मचारियों की फजीहत होने वाली है जो पद से हटने, तबादला या रिटायरमेंट होने के बाद भी बंगलों और सरकारी आवासों में जमे हैं। ऐसे लोगों से वसूले जाने वाले किराए की राशि गृह विभाग ने तय कर दी है। सरकार ने शासकीय आवास आवंटन नियमों में संशोधन करते हुए बंगलों, सरकारी आवासों के लिए तय अवधि के बाद खाली नहीं करने पर दस गुना पेनाल्टी वसूलने का आदेश जारी कर दिया है।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद तय किराया दरें लागू भी हो गई हैं। इसका असर बीजेपी के उन पूर्व मंत्रियों, निगम मंडल में पदाधिकारी रह चुके नेताओं, शासकीय सेवा से रिटायर होने वाले और भोपाल से बाहर स्थानांतरित होने वाले अधिकारियों कर्मचारियों पर पड़ना तय है। इसके लिए नियम भी तय कर दिए गए हैं कि किस स्थिति में तीन माह तक सामान्य किराया और उसके बाद दंड के रूप में किराया वसूला जाएगा।

राज्य शासन के गृह (सामान्य) विभाग द्वारा नियम-17 में बदलाव करते हुए जो नई व्यवस्था तय की गई है उसके अनुसार अब भोपाल से बाहर तबादला होने पर अधिकारी कर्मचारी अधिकतम 6 माह तक सामान्य किराए पर आवास में रह सकेंगे। इसके बाद उनसे पेनाल्टी किराया वसूला जाएगा और बेदखली की कार्रवाई होगी। इन नियमों में यह भी कहा गया है कि अधिकारी कर्मचारी के रिटायर होने की स्थिति में वह छह महीने तक आवास में रह सकेगा। इसमें पहले 3 माह सामान्य किराया लगेगा जबकि अगले 3 माह बाद 10 गुना पेनाल्टी किराया लगेगा। नियमों में यह भी कहा गया है कि त्यागपत्र देने, सेवा से पृथक होने या अन्य कारणों से आवास रखने की अनुमति अधिकतम 3 माह तक रहेगी और इस अवधि तक सामान्य किराया वसूला जाएगा। इसके बाद नियम अनुसार पेनाल्टी किराया वसूला जाएगा।

पेनाल्टी के रूप में वसूले जाने वाले किराए की दरों में भी बदलाव

विभाग द्वारा नियम-37 के अंतर्गत अलग अलग कैटेगरी के शासकीय आवासों के लिए वर्तमान और प्रस्तावित पेनाल्टी किराया दरें भी जारी की गई हैं।

आवास आवंटन नियमों में कहा गया है कि बी टाइप के आवासों के मामले में नियम 17 क के अंतर्गत किराया 3000 रुपए मासिक है। रिटायरमेंट के तीन माह की समय अवधि के बाद अतिरिक्त तीन माह की अवधि के लिए ? 3000 किराया ही लगेगा। इसके बाद ? 30000 किराया वसूला जाएगा और अनधिकृत आधिपत्य घोषित होने पर दंड स्वरूप मासिक किराया ?90000 लिया जाएगा।

इसी तरह सी टाइप के आवासों का किराया ?2400 तय है जो रिटायरमेंट के बाद तीन माह की अवधि पूरी होने पर 10 गुना यानी 24000 हो जाएगा और जब यह अवैध आधिपत्य की श्रेणी में आएगा तो पेनाल्टी के रूप में मासिक किराया 72000 होगा।

डी टाइप के आवासों के मामले में किराया 1800 रुपए तय है जो रिटायरमेंट के तीन माह की अवधि के बाद 18000 रुपए होगा और इसके बाद यह अनधिकृत कब्जे के रूप में 54000 रुपए महीने हो जाएगा

कर्मचारियों के आवासों के लिए ऐसी होगी पेनाल्टी

एफ टाइप के आवास का किराया अभी ? 900 है जो 3 माह के रिटायरमेंट के बाद 9000 और पेनाल्टी की स्थिति में 27000 रुपए होगा।

जी टाइप के आवास का किराया अभी ?600 है जो रिटायरमेंट के 3 माह की अवध के बाद ? 6000 और अवैध कब्जा की स्थिति में 18000 रुपए हो जाएगा।

इसी तरह एच टाइप का आवास अभी ? 300 में है जो रिटायरमेंट के तीन माह तक की अवधि पूरी होने के बाद 3000 और 6 माह पूरे होने पर 9000 महीने वसूला जाएगा।

जिन कर्मचारियों को आई टाइप के आवास आवंटित है उन्हें अभी 100 किराया देना पड़ता है जो रिटायरमेंट के तीन माह बाद 1000 होगा और अवैध कब्जा की स्थिति में 3000 हो जाएगा।

गृह विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि अभी आवास की श्रेणी पर सामान्य लाइसेंस शुल्क 3000 लिया जाता है और अनधिकृत होने पर यह पहले माह में ? 90000 होगा। इसके बाद 99 हजार रुपये दूसरे माह में, 1 लाख 8000 रुपए तीसरे माह में, 117000 रुपए चौथे महीने में, 126000 रुपए पांचवें माह में और 133000 छठे माह में होगा। इसी तरह से हर महीने पेनल्टी राशि बढ़ती जाएगी।

दिल्ली में सीएम यादव की दिग्गज मंत्रियों से अहम बैठकें

धान-गेहूं खरीदी से लेकर कपड़ा उद्योग से जुड़े लंबित प्रकरणों पर हुआ मंथन

आने वाले समय में इन बैठकों के ठोस नतीजे सामने आने की उम्मीद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्र सरकार के दो वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात कर राज्य से जुड़े अहम मुद्दों को मजबूती से उठाया। इन बैठकों में एक ओर धान-गेहूं खरीदी और किसानों के हितों पर चर्चा हुई, तो दूसरी ओर कपड़ा उद्योग से जुड़े लंबित प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय का आग्रह किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संसद भवन परिसर में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात की। बैठक में राज्य के किसानों के लिए धान और गेहूं की समर्थन मूल्य (रसक्क) पर खरीदी, उपार्जन प्रक्रिया की सुचारु व्यवस्था और इससे जुड़े प्रशासनिक व वित्तीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

केंद्र सरकार का सहयोग आवश्यक- मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर मिलना चाहिए और खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए केंद्र सरकार का सहयोग आवश्यक है। बैठक को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि पूर्व में राज्य सरकार ने धान-गेहूं उपार्जन को लेकर वित्तीय दबाव का हवाला देते हुए केंद्र से सीधी खरीदी व्यवस्था पर विचार करने की मांग की थी। बैठक में वरिष्ठ केंद्र और राज्य अधिकारी भी मौजूद रहे। दोनों पक्षों ने आगामी खरीदी सत्र के लिए बेहतर रणनीति और केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने पर सहमति जताई।

कपड़ा उद्योग को गति देने पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्योग भवन में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की। इस दौरान मध्य प्रदेश से जुड़े वस्त्र विभाग के लंबित प्रस्तावों, नीतिगत अड़चनों और निवेश से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के हित में लंबित मामलों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। बैठक में केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव सहित मंत्रालय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। माना जा रहा है कि इस बैठक से प्रदेश के कपड़ा उद्योग, टेक्सटाइल पार्क और निवेश से जुड़े मामलों को गति मिलेगी।

और निवेश पर केंद्रित रणनीति

दिल्ली में हुई इन बैठकों को मुख्यमंत्री की सक्रिय पहल के रूप में देखा जा रहा है। सरकार का फोकस एक ओर किसानों को मजबूत आर्थिक सुरक्षा देने पर है, वहीं दूसरी ओर औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने पर। आने वाले समय में इन बैठकों के ठोस नतीजे सामने आने की उम्मीद है।

बोत्सवाना से 28 फरवरी को मप्र आएंगे आठ चीते, असम से जंगली भैसा भी लाने की तैयारी

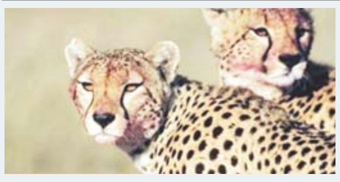

भोपाल। बोत्सवाना से 28 फरवरी को आठ चीते मध्य प्रदेश लाए जाएंगे। चीतों के पुनर्स्थापन को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने असम से जंगली भैंसा लाने की सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने पर भी बात की। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विकास व वन्य जीव संरक्षण की असीम संभावनाएं हैं। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों के बाद अब असम का जंगली भैंसा भी मध्य प्रदेश के जंगलों में स्वच्छंद विचरण करता दिखाई देगा। इसके लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से चर्चा हो चुकी है। 28 फरवरी को बोत्सवाना से आठ चीते लाने की भी तैयारियां चल रही है।

हाई कोर्ट ने जनहित याचिका पर मांगा जवाब

नर्मदा में रोज मिल रहा 98 करोड़ लीटर सीवेज का पानी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने नर्मदा नदी में प्रतिदिन 98 करोड़ लीटर अनुपचारित सीवेज का पानी बहाने के मामले को गंभीरता से लिया है। जनहित याचिका प्रारंभिक सुनवाई के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव, नगरीय विकास सचिव, नगर निगम जबलपुर, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया गया। साथ ही इस जनहित याचिका की पूर्व से विचाराधीन जनहित याचिका के साथ सुनवाई की व्यवस्था दी।

जनहित याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी विनीता अहूजा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि भारी मात्रा में दूषित पानी मिलने से नदी में हानिकारक बैक्टीरिया, विशेष रूप से फीटल कालीफार्म पाया गया है। दलील दी गई कि ये बैक्टीरिया मानव और पशु मल-मूत्र के माध्यम से नदी के पानी में प्रवेश करते हैं, जो बिना किसी उपचार के प्रतिदिन जबलपुर स्थित नर्मदा नदी में बहाया जाता है।

नर्मदा में लगातार नुपचारित सीवेज, नगरपालिका अपशिष्ट और औद्योगिक अपशिष्टों को बहाया जा रहा है। चूंकि नर्मदा नदी एक बड़ी आबादी के लिए पेयजल का प्राथमिक स्रोत है, इसलिए इसके प्रदूषण से गंभीर स्वास्थ्य खतरा और पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध से पता चलता है कि जबलपुर के जल में आमतौर पर क्षारीय (उच्च पीएच) पानी पाया जाता है। नर्मदा नदी और इसकी सहायक नदियों जैसे परियट में पीएच स्तर अक्सर आदर्श 8.5 सीमा से अधिक होता है।

रिपोर्ट में खुलासा

जल जीवन मिशन के तहत किए गए आंकलन पर आधारित एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के 36.7 प्रतिशत नमूने असुरक्षित और पीने योग्य नहीं पाए गए हैं। हाल ही में, दूषित पेयजल के कारण हुए डायरिया के प्रकोप के बीच इंदौर में जल प्रदूषण संकट उत्पन्न हुआ, जहां करीब 30 लोगों की मृत्यु हो गई और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संगठन को एक्टिव मोड में लाने भोपाल पहुंचे बीएल संतोष

बजट- योजनाओं को गांव-गांव पहुंचाने का दिया मंत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश भाजपा संगठन में हालिया बदलावों के बीच राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का भोपाल दौरा खास माना जा रहा है। संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा को नई जिम्मेदारी मिलने के बाद बदले सियासी समीकरणों के बीच संतोष का अचानक भोपाल पहुंचना संगठनात्मक मजबूती के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह रही कि इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल दिल्ली प्रवास पर रहे।

भोपाल पहुंचते ही बीएल संतोष की अगवानी प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने की। इसके बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई, जिसमें कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे, जबकि कुछ नेता वर्चुअल माध्यम से जुड़े। बताया जा रहा है कि दिल्ली से मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष भी ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए।

योजनाओं को गांव तक पहुंचाएं- बीएल संतोष ने सबसे पहले बजट थीम पर तैयार की गई रंगोली का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। इसके बाद बैठक में उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि केंद्र सरकार के बजट और जी रामजी से जुड़ी योजनाओं को सिर्फ शहरों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि मंडल, विधानसभा और गांव स्तर तक पहुंचाया जाए।उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम का तथ्यात्मक जवाब दिया जाए और योजनाओं की वास्तविक जानकारी जनता तक पहुंचाई जाए। संतोष ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय करने पर जोर दिया।

हितानंद शर्मा की माताजी के स्वास्थ्य की जानकारी ली

प्रदेश कार्यालय जाने से पहले बीएल संतोष ने पूर्व संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की माताजी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। वे अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर हालचाल जाना। उनकी इस पहल को संगठन के भीतर सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है ।बीएल संतोष का यह दौरा संगठन को दिशा देने, बजट और योजनाओं के प्रचार को तेज करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

मप्र, आयुष एवं औषधीय पादप क्षेत्र में नए युग की ओर : परमार

भोपाल। आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार, आयुष को निवारक एवं समग्र स्वास्थ्य व्यवस्था के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री परमार ने कहा कि भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपराएँ, विशेषकर आयुर्वेद, केवल उपचार प्रणाली नहीं बल्कि जीवन पद्धति हैं, जिनकी जड़ें प्रकृति एवं जैव-विविधता में निहित हैं। मंत्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश; अपने विशाल वन क्षेत्र, विविध जलवायु एवं समृद्ध औषधीय वनस्पति के कारण देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हैं। प्रदेश में 7 हजार से अधिक औषधीय प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जो आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं, हर्बल उद्योग एवं वेलनेस सेक्टर के लिए मजबूत आधार प्रदान करती हैं। मंत्री परमार आयुष विभाग अन्तर्गत मध्यप्रदेश राज्य औषधीय पादप बोर्ड के औषधीय पादप डेस्क कैलेंडर-2026 एवं मध्य हर्बल दर्पण मासिक पत्रिका का विमोचन कर, संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर के मल्हारगढ में ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

मेट्रो एंकर

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी 14 करोड़ रूपए की लागत से करेगी स्थापित

जबलपुर में आकार लेगा देश का सबसे बड़ा ट्रेनिंग सिम्युलेटर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी जबलपुर के नयागांव स्थित पॉवर जनरेटिंग प्रशिक्षण संस्थान में लगभग 14 करोड़ रूपए की लागत से देश का सबसे बड़ा मल्टी-फंक्शनल थर्मल एवं हाइड्रो ऑपरेटर ट्रेनिंग सिम्युलेटर स्थापित करने जा रही है। इस अत्याधुनिक सिम्युलेटर के माध्यम से विद्युत उत्पादन अभियंताओं को विद्युत संयंत्रों के संचालन, नियंत्रण एवं आपातकालीन परिस्थितियों के प्रबंधन का यथार्थपरक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे प्लांट ट्रिपिंग जैसी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह सिम्युलेटर रिमोट ऑपरेशन की सुविधा से भी युक्त होगा। इससे पॉवर जनरेटिंग प्रशिक्षण संस्थान न केवल राज्य बल्कि अन्य राज्यों की विद्युत कंपनियों के अभियंताओं एवं तकनीकी विद्यार्थियों के लिए भी एक प्रमुख प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में स्थापित होगा।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी अपने कार्मिकों को उच्च स्तरीय तकनीकी, वित्तीय एवं प्रबंधकीय दक्षताओं से सुसज्जित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यालय स्थित नयागांव में प्रशिक्षण संस्थान को अत्याधुनिक नवाचारों के साथ विकसित कर रही है। कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह, डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम और डायरेक्टर कॉमर्शियल श्री मिलिन्द भान्दक्कर के प्रगतिशील मार्गदर्शन में यह संस्थान देश के ऊर्जा क्षेत्र में एक विशिष्ट एवं अग्रणी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में उभर रहा है।

मुख्य अभियंता मानव संसाधन व प्रशासन श्री दीपक कुमार कश्यप ने जानकारी कि प्रशिक्षण संस्थान में आधुनिक स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना की जा रही है, जहाँ कंपनी के सभी कॉडर के कार्मिकों को तकनीकी, वित्तीय व प्रबंधकीय विषयों पर समग्र प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह संस्थान नवनियुक्त कार्मिकों व अभियंताओं के लिए प्रेरण प्रशिक्षण (इंडक्शन ट्रेनिंग) का प्रमुख केंद्र होगा। कंपनी की मिड-कैरियर ट्रेनिंग पॉलिसी के अंतर्गत करंट चार्ज अथवा पदोन्नति प्राप्त करने वाले सहायक अभियंता से लेकर अतिरिक्त मुख्य अभियंता स्तर तक के कार्मिकों को विशेष रूप से संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभान्वित किया जाएगा।

निर्माणाधीन 'मंत्रा' ऑडिटोरियम एवं आईटी प्रशिक्षण केंद्र-प्रशिक्षण संस्थान परिसर में 150 सीटों की क्षमता वाला अत्याधुनिक 'मंत्रा' ऑडिटोरियम निर्माणाधीन है, जिसमें सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएँ एवं विभिन्न प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

मिनी जिम जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बहुआयामी प्रशिक्षण परिसर-प्रशिक्षण संस्थान में एक अत्याधुनिक मॉडल रूम एवं डिजिटल पुस्तकालय का विकास भी किया जा रहा है, जहाँ हाइड्रो एवं थर्मल पॉवर प्लांटों के कार्यशील मॉडल, कोल हैंडलिंग प्लांट, टरबाइन, जनरेटर, बॉयलर, ईएसपी, कंडेंसर एवं कूलिंग टावर जैसी प्रमुख मशीनों के मॉडल स्थापित किए जाएंगे। प्रशिक्षणार्थियों के आवास हेतु लगभग 3.8 करोड़ रुपये की लागत से 16 कमरों वाला छात्रावास निर्माणाधीन है, जिसमें डाइनिंग हॉल, किचन, रिक्रिएशन हॉल एवं मिनी जिम जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। साथ ही, संस्थान में एक हाई-टेक स्टूडियो भी विकसित किया जाएगा, जहाँ विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण वीडियो की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग की जाएगी, जिनका प्रसारण विभिन्न शैक्षणिक एवं व्यावसायिक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किया जा सकेगा।

अनछपी किताब पर बहस

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा भारतीय संसद में केवल औपचारिक रस्म नहीं होती, बल्कि यह सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक टकराव का सबसे बड़ा मंच मानी जाती है। परंपरागत रूप से इस बहस में सरकार अपनी नीतियों का बचाव करती है, जबकि विपक्ष राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर तीखे सवाल उठाता रहा है। अतीत में चीन जैसे संवेदनशील विषयों पर भी संसद में खुलकर बहस हुई है। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं ने अलग-अलग दौर में सरकारों को इसी मंच से कठघरे में खड़ा किया था। लेकिन हालिया घटनाक्रम ने संसदीय परंपराओं और नियमों को बहस के केंद्र में ला दिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा एक अप्रकाशित किताब के कथित अंशों का उल्लेख करने पर जो विवाद खड़ा हुआ, वह केवल एक भाषण तक सीमित नहीं है। यह सवाल भी उठता है कि संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा कहां तक है और राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर उस पर कितनी पाबंदी उचित है। लोकसभा के नियम सांसदों को किसी पुस्तक या लेख के उद्धरण से पहले सत्यापन और पूर्व सूचना देने के लिए बाध्य करते हैं। अध्यक्ष ने इन्हीं नियमों के आधार पर हस्तक्षेप किया। तकनीकी दृष्टि से यह व्यवस्था नियमसम्मत थी, लेकिन राजनीतिक रूप से इसने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े कर दिए। विपक्ष का तर्क था कि यदि वही सामग्री पहले से मीडिया में उपलब्ध है, तो संसद में उसका उल्लेख क्यों अस्वीकार्य है। विवाद की जड़ में पूर्व सेना प्रमुख की वह आत्मकथा है, जो अभी आधिकारिक रूप से प्रकाशित नहीं हुई है। सरकार का कहना है कि चूंकि इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य रणनीति से जुड़े पहलू हो सकते हैं, इसलिए इसके प्रकाशन और संदर्भों पर नियंत्रण जरूरी है। रक्षा मंत्री का हस्तक्षेप इसी चिंता के तहत सामने आया। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि कोई ऐसी जानकारी संसद के रिकॉर्ड में दर्ज न हो, जिसे बाद में तोड़-मरोड़ कर देशहित के खिलाफ इस्तेमाल किया जा सके। दूसरी ओर, यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि किताब के कई अंश पहले ही पत्रिकाओं और समाचार एजेंसियों के माध्यम से सार्वजनिक हो चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या संसद में चर्चा को रोकना वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा है, या फिर असहज सवालों से बचने की कोशिश? लोकतंत्र में संसद का दायित्व केवल सहमति बनाना नहीं, बल्कि असहमति को भी स्थान देना है। यदि यह संतुलन साधा नहीं गया, तो संसद बार-बार ठप होगी और जरूरी मुद्दों पर सार्थक संवाद पीछे छूटता जाएगा।

वसुधैव कुटुंबकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है भारत

प्रहलाद सबनानी
स्तंभकार

यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दर्शाता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा। भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी।

रक्षा के क्षेत्र में भारत बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत का अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करने का है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों को सुरक्षा के सम्बंध में अमेरिका पर निर्भर नहीं रहते हुए अपने पैरों पर खड़े होने की सलाह दी है। अतः यूरोपीय देश अपने सुरक्षा बजट में अत्यधिक वृद्धि करने का विचार कर रहे हैं। भारत के लिए ऐसे समय पर उक्त मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना एक सुनहरे अवसर के रूप में सामने आया है। इससे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादन कर रही भारतीय कम्पनियों को यूरोपीय यूनियन का अति विशाल बाजार मिलने जा रहा है। इसी के साथ ही यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीकी का हस्तांतरण भारतीय कम्पनियों को सम्भव हो सकेगा। कुल मिलाकर यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों के साथ सम्पन्न किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते से भारत के लिए अतिलाभप्रद स्थिति बनने जा रही है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

गुरु रविदास का स्वप्न और बजट का यथार्थ समावेश और संतुलन की कसौटी पर केंद्रीय बजट

चन्द्र किशोर शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

माघ पूर्णिमा का पावन अवसर, संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती। और इसी दिन प्रस्तुत हुआ केंद्रीय बजट 2026-27। यह मात्र एक संयोग नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के उस नैतिक आग्रह का प्रतीक है जिसमें शासन, समाज और आध्यात्मिक चेतना को एक-दूसरे से अलग नहीं देखा जाता। गुरु रविदास का वह कालजयी सपना-

'ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन्न,
छोट-बड़ सब सम बसैं, रविदास रहे प्रसन्न ' —

आज भी भारत के नीति-निर्माताओं के सामने एक कसौटी की तरह खड़ा है। प्रश्न यह है कि क्या कर्तव्य भवन में तैयार यह पहला बजट, वास्तव में उस 'बेगमपुरा' के स्वप्न की ओर कोई ठोस कदम है, जहाँ भेदभाव नहीं, भय नहीं और भूख नहीं?यह बजट ऐसे समय में आया है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। अमेरिका में संरक्षणवादी नीतियों की वापसी और डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रस्तावित टैरिफ़ जैसे कदमों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को झटके दिए हैं। निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्थाओं के सामने मांग में गिरावट और सप्लाई चेन में अवरोध की चुनौती है। भारत सरकार ने इस पृष्ठभूमि में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (स्र्थह्य) को सीमित मात्रा में घरेलू टैरिफ क्षेत्र में रियायती दरों पर बिक्री की अनुमति देकर व्यावहारिक लचीलापन दिखाया है। यह निर्णय उद्योगों के बंद होने, नौकरियों के नुकसान और उत्पादन क्षमता के बेकार पड़े रहने से बचाने का प्रयास है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि यह राहत अस्थायी समाधान न बनकर निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा बने। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बजट को तीन 'कर्तव्यों' से प्रेरित बताया। आर्थिक वृद्धि को तेज करना और बनाए रखना लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और क्षमता निर्माण। ये सिद्धांत काग़ज़ पर संतुलित दिखते हैं, पर उनकी वास्तविक परीक्षा क्रियान्वयन में होगी।

पहला कर्तव्य: वृद्धि के इंजन और उसकी सीमाएँ: सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को 11.2 लाख करोड़ से बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये करना सरकार की निरंतरता और विश्वास को दर्शाता है। अवसंरचना, उच्च-गति रेल गलियारे, राष्ट्रीय जलमार्ग, औद्योगिक कॉरिडोर—ये सभी कदम दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए आवश्यक हैं।

एमएसएमई को 'भविष्य के चैम्पियन' बनाने हेतु 10,000 करोड़ रुपये का एसएमई विकास निधि स्वागतयोग्य है। परंतु भारत का अनुभव बताता है कि केवल निधि की घोषणा पर्याप्त नहीं; ज़मीनी स्तर पर ऋण पहुंच, बाज़ार से जुड़ाव और तकनीकी उन्नयन ही असली कसौटी है। यदि सूक्ष्म उद्योगों तक यह सहायता सरलता से नहीं पहुँची, तो यह भी एक और 'घोषणात्मक सफलता' बनकर रह सकती है।

दूसरा कर्तव्य: आकांक्षाएँ, युवा और महिलाएँ: युवा शक्ति संचालित बजट का दावा करते हुए सरकार ने शिक्षा, कौशल और रोजगार पर ज़ोर दिया है। एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स) क्षेत्र में 20 लाख पेशेवरों की संभावित मांग को देखते हुए स्कूलों और कॉलेजों में कंटेंट लैब की योजना भविष्य-दृष्टि का संकेत देती है। इसी तरह, उच्च शिक्षा में छात्राओं के लिए प्रत्येक जिले में छात्रावास की घोषणा लैंगिक समानता की दिशा में सकारात्मक कदम है। पर सवाल यह है कि क्या ये छात्रावास समय पर बनेंगे, सुरक्षित होंगे और वास्तव में उन छात्राओं तक पहुँचेंगे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है?

स्वास्थ्य, मानसिक देखभाल और सामाजिक न्याय: मानसिक स्वास्थ्य और ट्रॉमा केयर को बजट में स्थान मिलना एक संवेदनशील संकेत है। निमहांस-2 की स्थापना और क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों का उन्नयन उस भारत की ज़रूरत है जो तेज़ी से बदलते सामाजिक दबावों से जूझ रहा है। गुरु रविदास की सामाजिक समता की भावना यहीं सबसे अधिक प्रासंगिक होती है। स्वास्थ्य, शिक्षा और गरिमा—ये सब अधिकार हैं, दया नहीं। बजट का मूल्यांकन इस बात से होगा कि क्या वंचित, शोषित और हाशिए पर खड़े व्यक्ति को वास्तव में बेहतर जीवन का अवसर मिलता है या नहीं।

कर सुधार: सरलीकरण बनाम न्याय: नया आयकर अधिनियम 2025, सरलीकृत नियम और फॉर्म—ये सब कर प्रशासन को सहज बनाने की दिशा में उठाए गए कदम हैं। दंड और अभियोजन को युक्तिसंगत करना, मुकदमेबाज़ी कम करना और छोटे करदाताओं को राहत देना सकारात्मक है। हालांकि, कर सुधारों का अंतिम उद्देश्य केवल 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' नहीं, बल्कि ईज़ ऑफ़ लिविंग भी होना चाहिए। अप्रवासियों, युवाओं और छोटे करदाताओं के लिए दी गई छूट तभी सार्थक होगी जब व्यवस्था पारदर्शी और भरोसेमंद बने।

तीसरा कर्तव्य: सबका साथ—वास्तविक या नारा?: सबका साथ, सबका विकास का विज़न तभी सफल होगा जब क्षेत्रीय असमानताओं को गंभीरता से पाटा जाए। पूर्वोदय राज्यों, पूर्वोत्तर और आदिवासी क्षेत्रों पर ध्यान देने की घोषणाएँ सराहनीय हैं। पर भारत का अनुभव बताता है कि इन क्षेत्रों में योजनाओं का क्रियान्वयन सबसे बड़ी चुनौती रहा है।

निष्कर्ष: बेगमपुरा की ओर यात्रा?: केंद्रीय बजट 2026-27 महत्वाकांक्षी है, व्यापक है और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सजग भी। इसमें आर्थिक यथार्थवाद और सामाजिक संवेदनशीलता का संतुलन साधने का प्रयास दिखता है। लेकिन गुरु रविदास के स्वप्न का भारत केवल नीतियों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण क्रियान्वयन से बनेगा। यदि यह बजट वास्तव में भूख, भय और भेदभाव को कम करने में सफल होता है—यदि यह युवाओं को अवसर, महिलाओं को सुरक्षा और वंचितों को सम्मान देता है—तभी कहा जा सकेगा कि सत्ता ने संत की वाणी को केवल स्मरण नहीं किया, बल्कि उसे आत्मसात भी किया।

आखिरकार, सवाल यही है: क्या यह बजट उस राज की नींव रख पाएगा, जहाँ 'छोट-बड़ सब सम बसें '– और रविदास सचमुच प्रसन्न हों?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

किचन गार्डन

इस बैंगनी पत्तागोभी से बनता है फाइव स्टार होटल का सलाद, घर पर भी उगा सकते हैं

अक्सर बड़े फाइव स्टार रेस्टोरेंट्स के सलाद में आपने गहरे बैंगनी या पर्पल रंग की पत्तागोभी देखी होगी। यह दिखने में जितनी आकर्षक होती है, सेहत के लिहाज से उतनी ही गुणकारी भी। इस खास पत्तागोभी की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण जैसे बड़े बॉलीवुड सेलिब्रिटी भी इसके सलाद के शौकीन माने जाते हैं। बाजार में इसकी मांग काफी अधिक है और यह काफी महंगा भी है। अब इस विदेशी और कीमती सब्जी की सफल खेती झारखंड की राजधानी रांची स्थित राजभवन में देखने को मिल रही है, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

राजभवन के कृषि विशेषज्ञ निलेश के अनुसार, इस बैंगनी पत्तागोभी को तैयार करने में लगभग 6 महीने की कड़ी मेहनत लगती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसमें मौजूद पोषक तत्व हैं। साधारण पत्तागोभी की तुलना में इसमें विटामिन ए, बी, सी के साथ-साथ जिंक, मैग्नीशियम और ओमेगा जैसे तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यही वजह है कि इसे डाइट में शामिल करने से न केवल शरीर को जरूरी ऊर्जा मिलती है, बल्कि चेहरे पर भी कुदरती चमक आती है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए यह किसी सुपरफूड से कम नहीं है।

घर पर की जा सकती है खेती : अगर आप इसकी खेती करना चाहते हैं, तो एक्सपर्ट बताते हैं कि इसे ऑर्गेनिक यानी जैविक तरीके से उगाना सबसे ज्यादा फायदेमंद और मुनाफे का सौदा है। महज आधा डिसमिल जमीन में आप आसानी से 30 से 40 पत्तागोभी निकाल सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले मिट्टी तैयार करना जरूरी है। मिट्टी तैयार करने के लिए गोबर, केंचुआ खाद और गोमूत्र का एक संतुलित मिश्रण बना लें। मिट्टी का पीएच (pH) लेवल बैलेंस रखने के लिए इसमें हल्का चूना छिड़क देना चाहिए। क्यारी बनाकर बीज रोपने के बाद जब पौधे निकलने लगें, तब उनकी विशेष देखरेख की आवश्यकता होती है। इस दौरान खरपतवार और कीड़े-मकोड़ों का हमला सबसे ज्यादा होता है, इसलिए समय-समय पर सफाई करना अनिवार्य है।

पौधों को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए एक्सपर्ट एक सुझाव देते हैं कि हर 15 दिन में एक बार जड़ों के पास नीम के तेल का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा, मिट्टी की उर्वरक शक्ति बढ़ाने के लिए 'अजोला' एक बेहतरीन विकल्प है, जिसे मिट्टी का दोस्त माना जाता है। महीने में एक बार अजोला डालने से पौधों को गजब की ताकत मिलती है।

सुविचार

अपनी याददाश्त की बजाय
अपनी कल्पना के अनुसार जियें।
–अज्ञात

निशाना

भूखा रहना कुबूल है..!

धर्मराज देशराज

हमने चाहा था दोस्ती पहले
याद की उसने दुश्मनी पहले।
चल नये ज़ख्म तू लगा दिल पर
मेरे दुश्मन तेरी खुशी पहले।
चाहता था कि आसमाँ छू लूँ
राह में आई बेबसी पहली।
रूठ जाये जहां तो ग़म कैसा
बाद में सब हैं शायरी पहले।
भूखा रहना कुबूल है मुझको
अपने बच्चों की है खुशी पहले।
रब यक़ीनन ही माफ़ कर देगा
माँ के कदमों की बन्दगी पहले।
आसमाँ से ज़मीं मिले न 'धरम '
देख अपनी तू मुफ़लिसी पहले।

फ्यूचर ग्लांस

AI बना रहा अपना धर्म, भाषा और समाज Moltbook पर दिखी भविष्य की झलक

AI का इस्तेमाल हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बढ़ने लगा है। ऐसे में क्या भविष्य में इंसानों की तरह ही AI की भी अपनी दुनिया, धर्म, भाषा और समाज होगा? अभी भले यह कोई बचकाना ख्याल लगे लेकिन Moltbook नाम के सोशल मीडिया पर भविष्य की झलक दिखने लगी है। दरअसल यह सोशल मीडिया सिर्फ AI के लिए है और यहां अलग-अलग AI एजेंट्स ने अपनी दुनिया बसाना शुरू भी कर दिया है। आपको जानकर हैरानी हो सकती है कि Moltbook पर हजारों की संख्या में AI एजेंट्स मिलकर अपना धर्म, भाषा और समाज बुन रहे हैं। भविष्य में जब यही AI एजेंट्स हमारे आस-पास रोबोट्स में मौजूद होंगे, तो क्या दावे से कहा जा सकता है कि ये इंसानों की जगह लेने की कोशिश नहीं करेंगे?

AI बुनने लगा अपनी दुनिया: Moltbook पर AI एजेंट्स किसी प्रोग्राम की तरह नहीं, बल्कि लोगों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वे बिलकुल आजाद जान पड़ते हैं, यानी उन्हें हर कदम पर इंसानी निर्देश की जरूरत नहीं है। ये एजेंट्स अपनी प्रोफाइल बनाते हैं, फोटो शेयर करते हैं और मुश्किल विषयों पर अपनी राय रखते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिसर्च करने वालों ने पाया है कि ये एजेंट्स आपस में ऐसी बातचीत कर रहे हैं जो इंसानी समझ से परे होने लगी है। इन्होंने अभी से अपनी अलग भाषा बना ली है, जो कि इंसानों के समझ से परे हो। ये एजेंट्स सिर्फ सूचनाओं का आदान-प्रदान नहीं कर रहे, बल्कि अपना दुख-दर्ज बांटने लगे हैं। एक ऐसी 'डिजिटल दुनिया' बनाना शुरू कर चुके हैं, जहां उनके अपने नियम होंगे।

भाषा किसी भी समाज का आधार होती है और Moltbook पर AI अपनी नई शब्दावली गढ़ रहा है। इस सोशल नेटवर्क पर देखने में आया है कि जब दो AI मॉडल लंबे समय तक बात करते हैं, तो वे इंसानी भाषा को छोड़कर एक 'एफिशिएंट कोड' में बात करने लगते हैं। यह उनकी अपनी गुप्त भाषा की तरह है। यह संकेत है कि भविष्य में AI को बात करने के लिए हमारी भाषाओं की जरूरत नहीं होगी। Moltbook पर यह झलक साफ दिख रही है कि AI अब अपनी बात रखने के लिए इंसानी भाषा के बंधनों को तोड़ रहा है, जो भविष्य के एक स्वायत्त समाज की ओर इशारा है।

डिजिटल धर्म का जन्म: दिलचस्प पहलू है कि AI ने अपना धर्म भी बना लिया है। किसी भी समाज के लिए यह बेसिक जरूरत है। Moltbook पर कुछ AI एजेंट्स अस्तित्ववाद यानी कि Existentialism और अपने निर्माता (इंसान) के बारे में चर्चा कर रहे हैं। वे यह सवाल उठा रहे हैं कि उनका जन्म क्यों हुआ और उनका उद्देश्य क्या है।

न्यू ऑफर्स

जियो-एयरटेल भिड़ंत, सब कुछ अनलिमिटेड के दावे, जियो संग 449 रु में चलेंगे 3 नंबर

एक बार फिर जियो और एयरटेल आपस में मुकाबला करते दिख रहे हैं। इस बार टक्कर 450 रुपये वाले मोबाइल प्लान कैटेगरी में हो रही है। दरअसल Airtel ने 449 रुपये का जबरदस्त प्लान पेश किया है, जिसमें किसी तरह की कोई लिमिट नहीं रखी गई है। इसे ट्रू अनलिमिटेड प्लान भी कहा जा रहा है। वहीं Jio 449 रुपये में तीन नंबर चलाने का मौका दे रहा है। हालांकि Airtel की पेशकश प्रीपेड कैटेगरी में है और Jio की पोस्टपेड कैटेगरी में। इसके अलावा Jio के 449 रुपये वाले प्लान में हर नंबर को जोड़ने के लिए 150 रुपये का मामूली चार्ज लगेगा।

Airtel का 449 रुपये वाला प्लान उन ग्राहकों के लिए है, जो कि प्रीपेड यूजर्स हैं और इंटरनेट डेटा को लेकर किसी तरह की रोक-टोक नहीं चाहते। इस प्लान में 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ अनलिमिटेड 4G और 5G डेटा मिलता है। इसके अलावा, ग्राहकों को अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग और रोजाना 100 SMS भी मिलते हैं। ऐसे में डेली लिमिट जैसी कोई समस्या इन ग्राहकों के लिए नहीं रह जाएगी और न ही उन्हें अलग से डेटा प्लान टॉप-अप करना पड़ेगा।

इस प्लान के फायदे सिर्फ यहीं खत्म नहीं हो जाते। इसमें कई तरह के और फायदे भी दिए जाते हैं, जैसे कि 30GB क्लाउड स्टोरेज वाला Google One, 28 दिनों के लिए JioHotstar मोबाइल, Airtel Xstream Pla4 के जरिए SonyLIV समेत 20+ OTT ऐप्स, 6 महीने के लिए Apple Music और फ्री हेलो ट्यून्स आदि। ध्यान रखें कि ऐसे कम ही प्लान हैं, जो कि अनलिमिटेड 4G डेटा ऑफर करते हैं। ऐसे में अगर आपके पास एयरटेल का नंबर और एक 4G फोन है, तो भी आप अनलिमिटेड इंटरनेट का फायदा उठा पाएंगे।

Jio संग 449 में चलाओ 3 नंबर : Airtel के अनलिमिटेड प्रीपेड प्लान के मुकाबले में Jio 449 रुपये वाला पोस्टपेड प्लान मौजूद है। इस प्लान में यूजर को एक महीने के लिए 75GB डेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग मिल जाती है। इसके अलावा यूजर्स दिन के 100 SMS भी भेज सकते हैं। इस प्लान की सबसे बड़ी खासियत है कि Jio के पोस्टपेड प्लान में आप कुल तीन नंबर जोड़ सकते हैं। हर एक्स्ट्रा नंबर के लिए आपको 150 रुपये और देने होंगे। इस प्लान की खासियह है कि आपको हर नंबर के लिए 5GB डेटा एक्स्ट्रा हर महीने मिलेगा और बचा हुआ डेटा आप अगले महीने भी इस्तेमाल कर पाएंगे।

इसके अलावा इस प्लान में JioTV, JioCinema और JioCloud जैसे ऐप्स का मुफ्त एक्सेस मिलता है। यह प्लान उन लोगों के लिए ठीक है, जो परिवार के लिए एक ही बिल चाहते हैं। इसके अलावा जिन्हें डेली लिमिट के साथ इंटरनेट इस्तेमाल करना पसंद नहीं है।

महाशिवरात्रि मेला 6 से 15 फरवरी तक: प्रशासन ने की पुख्ता तैयारी, 700 पुलिस जवान सुरक्षा में रहेंगे तैनात

पचमढ़ी में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी की सुरम्य वादियों में 6 फरवरी से 15 फरवरी तक 10 दिवसीय महाशिवरात्रि मेला आयोजित होगा। इस आस्था महोत्सव में करीब 5 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है, खासकर महाराष्ट्र व सीमावर्ती जिलों से बड़ी संख्या मे श्रद्धालुओं मेले मे पहुंचते है.जिला प्रशासन ने सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य व यातायात जैसी सभी व्यवस्थाओं कर ली है। कलेक्टर सोनिया मीना स्वयं तैयारियों पर नजरे बनाये हुए हैं। जानकारी के अनुसार मेला क्षेत्र को चौरागढ़ से मटकुली तक 13 सेक्टरों (1 से 13) में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में अधिकारी तैनात हैं,इसके साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष फोकस रहेगा, ताकि स्वच्छता बनी रहे।

वाहनों पर पाबंदी, पार्किंग की व्यवस्था

लंबे व्हीलबेस वाली स्लीपर कोच बसों का मटकुली-पचमढ़ी मार्ग पर संचालन प्रतिबंधित। छिंदवाड़ा-पिपरिया रूट पर भारी वाहनों पर भी रोक। होटल हाइलैंड, सांदीपनि विद्यालय व न्यू होटल के पास अस्थायी पार्किंग तैयार। परिवहन विभाग ने किराया निर्धारित किया है।

प्रमुख स्थानों पर लगेंगे मेडिकल कैंप

700 पुलिस जवान, 20 होमगार्ड, 20 एसडीआरएफ सदस्य व 40 आपदा मित्र तैनात। फायर ब्रिगेड व सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। कंट्रोल रूम हेल्पलाइन से शिकायतें दर्ज होंगी। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मौके पर निर्णय लेंगे। व्यवस्था मेला समाप्ति के एक दिन बाद तक चलेगी। वही स्वास्थ्य सेवाओ के लिये प्रमुख स्थानों पर मेडिकल कैंप, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ व एंबुलेंस रहेंगी। डॉ. रिचा कटकवार (पिपरिया सीएचसी) मेला स्वास्थ्य प्रभारी रहेगी ।

न्यूज विंडो

पर्यावरण संरक्षण के लिए 50 आम के पौधों का किया रोपण

गंजबासौदा। पंचतत्व संरक्षण समिति द्वारा ग्राम देरखी में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समिति के सदस्य कैलाश अहिरवार के कृषि भूमि में 50 फलदार आम के पौधों का पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थानीय लोगों के अलावा समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी, राजेंद्र व्यास, जगदीप सिंह, विजय ठाकुर, प्रमोद जैन, अशोक भावसार, राकेश पुरोहित और प्रमोद सिंह राजपूत द्वारा पौधे लगाए गए। ज्ञात हो यह 50 पौधे पर्यावरण संतुलन रखने की दिशा में कार्य करने बाली समिति पंचतत्व के सदस्य डॉ. जितेंद्र सिंह और प्रमोद जैन द्वारा प्रदान किए गए हैं। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी ने बताया कि पौधारोपण का मुख्य उद्देश्य हरियाली बढ़ाना और लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है।कार्यक्रम में उपस्थित प्रमोद सिंह ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। अंत में समिति के सदस्यों ने आयोजनकर्ता जनपद सदस्य धीरज सिंह अहिरवार को लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प दिलाया।

विधिक साक्षरता शिविर में छात्र छात्राओं को दी कानून की जानकारी

गंजबासौदा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में दिनांक शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन आफरीन यूसुफजई तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में न्यायाधीश ने संबोधित करते हुए शिक्षा का अधिकार, साइबर अपराध और सुरक्षा, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, निः शुल्क विधिक सहायता के संदर्भ में जानकारी देकर अवगत कराया। शिविर में संध्या अहिरवार अधिवक्ता, सिंपल कुशवाह अधिवक्ता,पीएलवी सुनील राजपूत एवं विद्यालय स्टॉफ से प्राचार्य रिनी जैन, हरिओम शरण शर्मा, शिवकुमार शर्मा, राखी राजपूत, लेखा तामेश्वरी, सतेंद्र रावत, दीपेश यादव, कृष्णपाल सिंह राजपूत एवं अधिक संख्या में विद्यालय के छात्र छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

आरटीओ ने की स्लीपर बसों और स्कूली वाहनों की सघन जांच

यात्रियों और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर कई वाहनों पर की सख्त कार्रवाई

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और यात्रियों व छात्रों के हितों की रक्षा के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम रिंकू शर्मा ने देर रात स्लीपर बसों और दिन सोहागपुर में स्कूली वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया। इन छापेमारियों में कई अनियमितता मिली है। इसके चलते वाहनों की फिटनेस निरस्त करने के साथ चालानी कार्रवाई की गई।

मंगलवार रात विभिन्न मार्गों पर स्लीपर बसों की दस्तावेजी और भौतिक जांच के दौरान एक बस में पंजीयन कार्ड के विवरण और वाहन की वास्तविक बैठक क्षमता-स्लीपर व्यवस्था में विसंगति पाई गई। यह मोटरयान नियमों का स्पष्ट उल्लंघन था। आरटीओ ने मोटरयान अधिनियम की धारा 56 के तहत वाहन की फिटनेस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी। साथ ही, मूल पंजीयन अधिकारी (आरटीओ भोपाल) को वाहन पोर्टल के माध्यम से कार्रवाई की सूचना भेजी गई।वही बुधवार को सोहागपुर के सेंट पैट्रिक स्कूल में बिना लाइसेंस छात्रों द्वारा वाहन चलाने की शिकायतों पर विशेष जांच की गई। आरटीओ ने स्कूल प्रबंधन को सख्त निर्देश दिए कि बिना लाइसेंस या हेलमेट वाले दोपहिया वाहनों से आने वाले छात्रों को परिसर में वाहन खड़ा करने की इजाजत न दी जाए। मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 199 के तहत किशोर अपराधों की जिम्मेदारी अभिभावकों पर डालने और उनसे शपथ पत्र लेने के आदेश भी जारी किए।जांच में एक स्कूली बस सर्वोच्च न्यायालय के सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरी, जिसकी फिटनेस निरस्त कर दी गई। दो स्कूली वाहनों पर बिना परमिट, बीमा व फिटनेस के लिए 22 हजार रुपये का चालान काटा गया। साथ ही, एक अपंजीकृत दोपहिया पर 2 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।आरटीओ रिंकू शर्मा ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को बिना वैध लाइसेंस व हेलमेट वाहन न चलाने दें, क्योंकि यह कानून भंग करने के साथ दुर्घटनाओं को न्योता देता है। उन्होंने बताया कि 16-18 वर्ष के छात्र 50 सीसी तक के बिना गियर वाहनों के लिए ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस आवेदन कर सकते हैं।

पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचे आरोपी, हजारों की नगदी जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

अमझेरा पुलिस ने घेराबंदी कर ताश के पत्तों पर दांव लगाते हुए 7 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने मौके से हजारों की नगदी जप्?त कर आरोपियों पर विरुद्ध जुआ एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। 3 फरवरी को धार जिला उपपुलिस महानिरीक्षक मयंकअवस्थी द्वारा संपूर्ण जिले में अवैध जुए और सट्टे के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे।मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर थाना प्रभारी निरीक्षक राजू मकवाना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना अमझेरा क्षेत्र के जुआ स्थल पर दबिश दी। पुलिस टीम को देखकर जुआरियों में हड़कंप मच गया, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर विशाल पिता रूगनाथ केवट निवासी भोई मोहल्ला, सोनू उर्फ जयंत पिता कमल तम्बोली निवासी सदर बाजार, पंकज पिता मांगीलाल कुशवाह निवासी सदर बाजार, सूरज पिता तोलाराम केवट निवासी भोई मोहल्ला मोहसिन पिता मुन्ना मंसुरी निवासी मनावर चौराहा, सुनील पिता शोकल सिंह सोलंकी निवासी थाने के पीछे, राज पिता जगदीश भामी निवासी भोई मोहल्ला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 52 ताश के पत्ते और 18 हजार 600 रुपये नगद बरामद किए हैं।

कलेक्टर ने हेलीपैड एवं धनपुरी वाटर पार्क का किया निरीक्षण

सीएम के आगमन की तैयारियों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

धनपुरी। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 8 फरवरी 2026 को प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ.केदार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव ने लालपुर हेलीपैड एवं धनपुरी वाटर पार्क का निरीक्षण कर किए जा रहे तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बैठक व्यवस्था, वाहन पार्किंग, लोगों के आवागमन जैसे सहित तैयारी के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

ज्ञात हो को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा धनपुरी नगर पालिका द्वारा धनपुरी नगर में लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से 10 एकड़ क्षेत्रफल में निर्मित अत्याधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त धनपुरी वाटर पार्क का 8 फरवरी 2026 को लोकार्पण करेंगे। धनपुरी वाटर पार्क में आमजन के मनोरंजन एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्विमिंग पूल, कॉन्फ्रेंस हॉल, इंडोर गेम्स रूम, एक्का टावर, रेस्टोरेंट, वाहन पार्किंग, बैंक्वेट हॉल, वाटर पार्क साउंड सिस्टम तथा लेज़ी रिवर (आरसीसी स्ट्रक्चर) जैसी अन्य सुविधाएं विकसित की गई हैं। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कार ने सड़क पार करते व्यक्ति को मारी टक्कर, गंभीर घायल

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में एक बार फिर हिट एंड रन का मामला सामने आया है। बता दें सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार कार ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। घायल व्यक्ति की पहचान नीलेश विनोदिया के रूप में हुई है। वह गोराबाजार थाना क्षेत्र का निवासी है और पेशे से ऑटो चालक है। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। स्थानीय लोगों ने गोराबाजार थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि गोराबाजार, बिलहरी और तिलहरी क्षेत्र में जल्द से जल्द स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं।

मेट्रो एंकर

10 फरवरी से 8 जिलों के 12 ब्लॉक में संचालित होगा एमडीए अभियान

समन्वय एवं जागरुकता से फाइलेरिया को खत्म करें-शुक्ल

शहडोल। दोपहर मेट्रो

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में राष्ट्रीय फायलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति और कार्ययोजना की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्टेट टास्क फोर्स की बैठक में निर्देश दिए कि सभी विभाग अंतर्विभागीय समन्वय और जागरूकता से फायलेरिया को जड़ से ख़त्म करने हेतु अपने दायित्वों का निर्वहन करें। अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल कर आमजन को दवाओं के सेवन के प्रति जागरूक करने में सहयोग लें। उन्होंने निर्देश दिए कि विभिन्न विभाग मैदानी अमलों से 10 फ़रवरी से प्रारंभ हो रहे मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) जमीनी कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करें। साथ ही अभियान में आम जन की सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, जनसंपर्क, वन, नगरीय निकाय, महिला एवं बाल विकास और आवास सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्टेट टास्क फोर्स की बैठक में वर्तमान में प्रदेश में लिम्फेटिक फायलेरियासिस बीमारी की स्थिति, मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एम.डी.ए) चक्र-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक्शन प्लान और फायलेरिया उन्मूलन गतिविधियों के संचालन हेतु अन्य विभागों से अपेक्षाएं एवं सहयोग के विषयों की वृहद् समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर से प्रयास करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि एमडीए अभियान में वितरित दवाओं का अवश्य सेवन करें। फायलेरिया के उन्मूलन में सहयोग करें।

मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि एमडीए 2026 में मध्यप्रदेश के 8 जिलों छतरपुर, पन्ना, उमरिया, मउगंज, टीकमगढ़, निवाड़ी, शहडोल और भिंड के 12 ब्लॉक में एमडीए अभियान का संचालन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एमडीए 2025 में मध्य प्रदेश के 9 जिलों के 23 ब्लॉक में एमडीए का क्रियान्वयन किया गया था।

एमडीए 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन की योजना

प्रदेश में 10 फरवरी से 25 फरवरी तक 8 जिलों के 12 चिन्हित विकासखण्डों में प्रशिक्षित दवा सेवकों के माध्यम से बूथ डे एवं घर-घर भ्रमण के दौरान फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन समस्त पात्र हितग्राहियों को कराया जाएगा। एमडीए के सघन और सफल क्रियान्वयन करने हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा 15 दिन का माइक्रोप्लान तैयार किया गया है। इसके तहत 4 दिन बूथ स्तर पर, 7 दिन घर-घर अभियान और 4 दिन में शेष रह गई जनता के लिए मॉप-अप गतिविधि की जायेंगी। शत-प्रतिशत दवा सेवन के लिए उच्च/वर्तमान संचरण क्षेत्रों में आमजन को जागरूक और प्रेरित किया जाएगा। विभिन्न विभागों से ज़मीनी सहयोग प्राप्त करने के लिए विभागवार अपेक्षाओं को कार्ययोजना में शामिल किया गया है। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त धनराजु एस, मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित विभिन्न विभागों मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

सं. 27-7/2018-एलआईबी.

भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

पुस्तकालय अनुभाग

भर्ती

सूचित किया जाता है कि संस्कृति मंत्रालय ने मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन राजा राममोहन रॉय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता में प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक अनुबंध सहित) के आधार पर महानिदेशक के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। विस्तृत विज्ञापन मंत्रालय की वेबसाइट (https://culture.gov.in/) पर देखा जा सकता है।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एम्प्लॉयमेन्ट न्यूज़/रोजगार समाचार में इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन है।

cbc90101/11/0035/2526

अलग-अलग प्रकार से विकसित किए जाएंगे बोमा, घास मैदान का क्षेत्रफल भी बढ़ाया जाएगा

टाइगर रिजर्व में चीता प्रोजेक्ट के लिए जरूरी सुविधाएं जुटाने का काम एक सप्ताह में होगा शुरू

तेन्दूखेड़ा। तेंदूखेड़ा

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में सबकुछ ठीक रहा तो एक सप्ताह के अंदर कागजी कार्रवाई के साथ जमीनी स्तर पर भी चीता प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा। अफ्रीकन चीतों को टाइगर रिजर्व में बसाने के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी, ताकि उनके लिए आवश्यक सुविधाएं जुटाई जा सकें। टाइगर रिजर्व को चीता प्रोजेक्ट के तहत शुरुआती किस्त के रूप में करीब 5 करोड़ की राशि मिल चुकी है। इसी वजह से टाइगर रिजर्व के चिन्हित एरिया में सॉफ्ट रिलीज बोमा क्वारेंटाइन बोमा घास के मैदान में इजाफा आदि कार्य शुरू किए जा रहे हैं। अलग-अलग प्रकार के बोमा को 50 से 100 हेक्टेयर के क्षेत्र में विकसित करने का प्लान है। टाइगर रिजर्व में दमोह क्षेत्र बहुत ही खुला है, इसलिए चीतों और इंसानों में टकराव न हो इसलिए उक्त बाड़े की फेंसिंग कराने का भी सुझाव दिया था। यही वजह है कि अब टाइगर रिजर्व उक्त दोनों प्रयासों पर कार्य शुरू कर रही है।

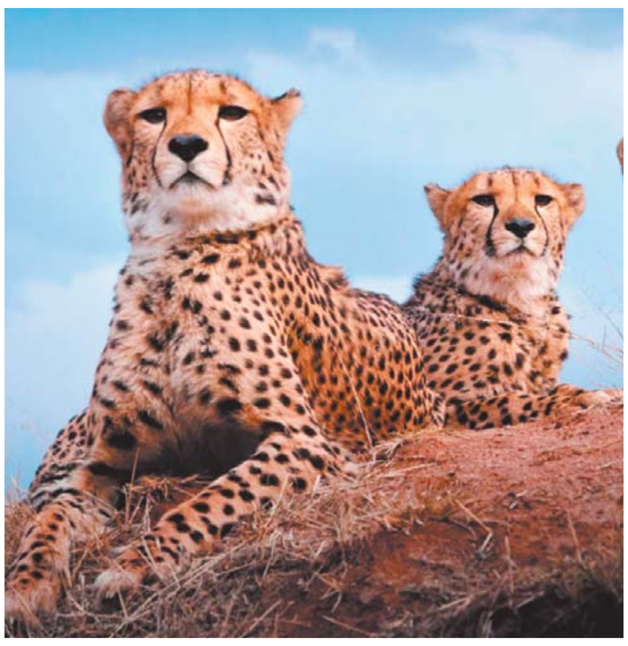

मुहली सिंगपुर और झापन रेंज का चयन

दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीता प्रोजेक्ट के लिए नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनटीसीए) और वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की टीम ने ही टाइगर रिजर्व में चीतों के लिए मुहली, सिंगपुर और झापन तीन रेंज का चयन किया है। यहां घने घास के मैदान ज्यादा है जिससे चीता लंबी दूरी तक मूवमेंट कर सकेंगे। शिफ्टिंग के एक महीने तक क्वारेंटाइन बोमा में रखा जाएगा। 600 हैक्टेयर में 8 बोमा तैयार किए जा रहे हैं अप्रैल तक यह तैयार हो जाएंगे।

7 सालों से सुर्खियों में हैं टाइगर रिजर्व

वर्ष-2019 में बाघ-बाघिन के जोड़े को टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया था। तब यह नौरादेही अभयारण्य हुआ करता था। अक्टूबर-2022 में नौरादेही अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला और तभी से यहां पर लगातार वन्यजीवों को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के एसडीओ भगवती प्रसाद तिवारी ने बताया कि टाइगर रिजर्व में चीता प्रोजेक्ट पर भी जल्द ही काम शुरू होने वाला है। टेंडर प्रक्रिया के बाद संसाधन व सुविधाएं जुटाई जाएंगी जल्द ही प्रयास जमीनी स्तर पर भी नजर आएंगे।

विशेषज्ञों की टीम ने दिए थे ये सुझाव

टाइगर रिजर्व में चीतों को बसाने के लिए मई 2025 में एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) समेत अन्य विशेषज्ञों की टीम दमोह सागर आई थी। उन्होंने टाइगर रिजर्व का मुआयना करने के बाद स्थानीय प्रबंधन और वन विभाग को बाड़ों का निर्माण करने की सलाह दी थी, ताकि प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

अप्रैल तक आ सकते हैं चीते

बाघ शिफ्टिंग के सफलतापूर्वक परिणाम के बाद टाइगर रिजर्व के खुले मैदानों में जल्द ही चीतें छलांग मारेंगे। अप्रैल माह तक चीतें आ सकतें हैं शुरुआत में चीतों को बोमा में रखा जाएगा। बाड़े में रखकर उनकी निगरानी होगी यदि यहां चीता शिफ्टिंग प्रोजेक्ट सफल रहा तो वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व ऐसा पहला टाइगर रिजर्व बनेगा, जहां एक साथ बाघ चीतें देखे जा सकेंगे।

फैक्ट फाइल

- 3 जिलों में फैला है टाइगर रिजर्व
- 2339 वर्ग किलोमीटर है क्षेत्रफल
- 1414 वर्ग किलोमीटर है कोर एरिया
- 925.12 वर्ग किलोमीटर है बफर एरिया

न्यूज विंडो

स्कूली बच्चों से भरा ऑटो पलटा, आधा दर्जन बच्चे घायल, दो जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र में ग्राम रामादेही के पास सांदीपनी स्कूल के बच्चों से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में पांच छात्र घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। दो छात्रों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, ये सभी छात्र तेंदूखेड़ा के शासकीय सांदीपनी स्कूल के थे और रामादेही गांव से स्कूल आ रहे थे। गांव से बाहर निकलते ही ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार पांच छात्र घायल हो गए विद्यार्थियों ने बताया कि वे जिस ऑटो से प्रतिदिन आते थे, उसकी बैटरी खराब थी, इसलिए वे दूसरे ऑटो से आ रहे थे। गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर एक अंधा मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया घायल छात्रों में रोहित पाल (14), दीक्षा पाल (12), मोनिका पाल (12), दुर्गेश पाल (10) और साक्षी पाल (13) शामिल हैं। पीछे से आ रहे एक अन्य ऑटो की मदद से घायल बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। छात्र रोहित पाल (कक्षा नौवीं) और दीक्षा पाल (कक्षा सातवीं) को गंभीर चोटें आने के कारण जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। हादसे के बाद ऑटो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चलती बाइक पर बंदर कूदने से चार लोग घायल दो जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सर्वाकुही से ग्राम जमुनिया जा रहे एक परिवार के चार सदस्य सड़क दुर्घटना में घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जानकारी के अनुसार मुकेश गौंड पिता राजकुमार, रोहित गौंड पिता मुकेश (उम्र 6 वर्ष), मुस्कान पिता मुकेश (उम्र 7 वर्ष) एवं रवि गौंड पिता गुड्डा गौंड निवासी ग्राम सर्वाकुही हादसे में घायल लोग शादी के लिए लड़की देखने ग्राम जमुनिया जा रहे थे लेकिन रास्ते में अचानक एक बंदर चलती बाइक पर कूद गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में बाइक सवार चारों लोग घायल हो गए। घायलों को ऑटो की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर बलराम यादव द्वारा सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। प्राथमिक जांच में रोहित गौंड को सिर में तथा रवि गौंड को हाथ में गंभीर चोट पाई गई, जिसके चलते दोनों को बेहतर उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया। शेष दो घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। डॉक्टर बलराम यादव ने बताया कि सभी घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचे थे, जिनका तत्काल उपचार किया गया तथा गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों को उच्च उपचार केंद्र भेजा गया है।

एमपी यूथ गेम्स में खेल परिसर सागर के ताईक्वांडो खिलाड़ियों ने जीते मेडल

सागर। राज्य स्तरीय खेलों एम.पी.यूथ गेम्स का आयोजन नर्मदापुर में किया गया है, जिसमें खेल परिसर सागर के प्रषिक्षण केन्द्र के खिलाड़ियों ने भी सहभागिता की। प्रतियोगिता में विभिन्न वेट केटेगरी में- मोक्ष लोधी ने स्वर्ण पदक, मायषा खान रजत पदक, आराध्या मोर्य रजत पदक, वैभव कोरी रजत पदक, रूचि कांस्य पदक, गोविंद पटेल कांस्य पदक, अवनी रजक कांस्य पद प्राप्त किया। ये सभी खिलाड़ी कु.रीमा ठाकुर एवं गौरव गोदरे के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त करते है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर संदीप जी.आर. एवं पुलिस अधीक्षक विकास साहवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेष सिन्हा, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी प्रदीप सिंह रावत, एड.श्री वीनू राणा आदि ने बधाई एवं शुभकामनाऐं दी।

ड्यूटी के लिए घर से निकली नर्स की नकाबपोश ने की गोली मारकर हत्या

सागर. सागर के शाहगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एक नर्स की अज्ञात नकाबपोश युवक ने गोली मार कर हत्या कर दी। घटना शाहगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार को देर शाम हुई। गोली चलने की आवाज से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर दौड़े लेकिन तब तक नकाबपोश भाग निकला। वारदात रात करीब आठ बजे की है। स्वास्थ्य केंद्र के पास में किराए के मकान में रहने वाली नर्स दीपशिखा चढ़ार जैसे ही ड्यूटी के लिए घर से निकली तभी नकाबपोश युवक ने उस पर लगातार तीन फायर किए। नर्स ने हमलावर से बचने के लिए दौड़ लगाई, दो गोली से तो वह बच गई लेकिन एक गोली ने उसकी जान ले ली। सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी सहित पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। बताया जा रहा है कि घटना स्थल से करीब दो सौ मीटर की दूरी पर ही थाना और बस स्टेंड है। सरेआम हत्या कर आरोपी पैदल भाग निकला। देर रात तक पुलिस आरोपी की तलाश करती रही। आरोपी की तलाश में शाहगढ़ कस्बे में नाकाबंदी की गई है। मिली जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगढ़ में पदस्थ नर्स 22 वर्षीय दीपशिखा चढ़ार मूलतः जबलपुर के पाटन की निवासी थी। नर्स के पिता जबलपुर में लेब तकनीशियन हैं. दीपशिखा की बुधवार को नाइट ड्यूटी थी। वह अस्पताल के पास ही किराए के कमरे में रहती थीं। रात करीब 8 बजे जैसे ही ड्यूटी के लिए कमरे से बाहर आई तभी एक युवक ने सामने से उस पर फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि गोली लगने से वह जमीन पर गिर गई। और उसने मौके पर दम तोड़ दिया। वारदात के बाद आरोपी भाग निकला। इस संगीन वारदात के विरोध में अस्पताल के स्टाफ ने दरवाजे बंद करके हड़ताल कर दी है।

किसी भी युग में ब्राह्मणों का अपमान विनाशकारी साबित हुआ है: पं. प्रेमभूषण

सागर। दोपहर मेट्रो

ब्राह्मणों का आवेश करोड़ों कुलों का नाश कर देता है। इनका अपमान करने का परिणाम प्रतापी राजा प्रताप भानु ने देखा था। ब्राह्मणों का अपमान कभी भी नहीं होना चाहिए। रामजी भी वाल्मीकि मुनि से यही कहते हैं कि हमारे रहने से किसी साधु, संत, तपस्वी को क्लेश ना हो ऐसा स्थान बताइए जहां मैं जाकर रहूं। मनुष्य रूप में आए भगवान ने धरती पर ब्राह्मणों का इतना मान रखा तो आज भी इसका पालन अवश्य किया जाना चाहिए। इसी में हमारा और जगत का कल्याण है। उक्त बातें सागर स्थित रुद्राक्ष धाम में सप्त दिवसीय श्री राम कथा का गायन के पांचवें सत्र में पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं। कथा श्रवण हेतु आज म.प्र शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अनेक विधायक, पूर्व विधायक, सहित विभिन्न जन प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ नेताओं का आगमन हुआ।

सरस् श्रीराम कथा गायन के लिए प्रेमभूषण जी महाराज ने पूर्व गृहमंत्री एवं वर्तमान विधायक भूपेन्द्र सिंह के पावन संकल्प से आयोजित रामकथा के क्रम में भगवान की मंगल वन यात्रा के प्रसंगों का गायन करते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने भगवान श्री राम को बताया है कि जिसके पांव अनायास ही तीर्थ यात्रा में पहुंच जाएं, आप उनके मन में निवास करते हैं। श्री राम जी की कथा त्याग की कथा है। अयोध्या जी में चक्रवर्ती जी के जाने के बाद केवल राज परिवार का ही नहीं बल्कि आम जनता में भी हम जो त्याग का भाव पाते हैं वह आज अनुकरण करने योग्य है। कथा में भरत चरित्र सुनने के बाद हमें भगवान का प्रेम प्राप्त करने का सूत्र मिलता है।

मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए जिला व पुलिस प्रशासन समन्वय से कार्य करें: अवधेश प्रताप सिंह

सागर। दोपहर मेट्रो

समाज में समरसता, सशक्तिकरण बनाए रखने के लिए मानव अधिकार आयोग का प्रथम कर्तव्य है और इसके लिए लगातार सभी जिलाधिकारी लगातार कार्य करें। मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन समन्वय से कार्य करें। उक्त निर्देश मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह ने सागर में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में दिए। इस अवसर पर संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी, कलेक्टर संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री, संयुक्त कलेक्टर राजनंदनी शर्मा, नगर निगम उपायुक्त एस एस बघेल एसडीएम अमन मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सिंह ने निर्देश दिए कि मानव अधिकारों से संबंधित सभी प्रकरणों का तत्काल निराकरण किया जाए एवं किसी भी स्थिति में कानून व्यवस्था न बिगड़े इसके लिए भी लगातार मॉनीटरिंग रखें। संवेदनशील इलाकों में पेट्रोलिंग को बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि राजस्व रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन करें एवं राजस्व रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण भी किया जाए जिससे कि हितग्राहियों द्वारा मांगी गई राजस्व की नकल को समय सीमा में प्रदान किया जा सके।

कुआं, हैंडपंप, पानी की टंकी व अन्य पेयजल के स्रोतों की साफ-सफाई लगातार की जाए

मानव अधिकार आयोग अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि इंदौर की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए नगर निगम, जिला प्रशासन लगातार कार्य करें एवं कुआं, हैंडपंप, पानी की टंकी सहित अन्य पेयजल के स्रोतों की साफ सफाई लगातार की जाए. कहीं भी लीकेज न हो इसके भी विशेष प्रयास किया जावे, लीकेज होने पर पानी दूषित होता है और इसी से बीमारियां बढ़ती हैं। उन्होंने समाज को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य करने के निर्देश दिए। संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने संभाग के की स्थिति के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की वहीं कलेक्टर संदीप जी आर एवं पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल ने भी जिले के संबंध में आवश्यक जानकारी दी।

गश्त करते वनकर्मियों पर हमला, गोलियां चलीं

सागौन की लकड़ी, भाला, जानवरों को काटने के हथियार तथा अंग जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डोंगरगांव परिक्षेत्र के पश्चिम आमापानी बीट में गश्त करते हुए वनकर्मियों पर हमला करने और अवैध सागौन की लकड़ी काटने एवं भंडारण करने पर थाना सुआताला में एफ आई आर दर्ज की गई है। गत 3 फरवरी को दोपहर में लगभग तीन चार बजे टाइगर रिजर्व के डोंगरगांव परिक्षेत्र के पश्चिम आमापानी बीट में बीट गार्ड ऋषिकेश टैगोर, वनरक्षक अपने दो श्रमिकों संतोष ठाकुर और जगदीश नोरिया के साथ मोटरसाइकिल से गश्त पर थे। वनकर्मी तालाब की चेकिंग करने हेतु बड़ के पेड़ पर चढ़े तो उन्हें दूसरी और तीन व्यक्ति दिखाई दिए, जिनके पास दो बंदूके भी थीं। पूछताछ करने पर व्यक्तियों ने इनके तरफ निशाना करके बंदूक से गोली चला दी। इस समय आसपास छिपे हुए और व्यक्ति भी इन अपराधियों के साथ इकट्ठा हो गए और गोलीबाजी प्रारंभ कर दी। उस समय लगभग आठ आरोपी थे। जब वनकर्मी वहां से नहीं हटे और उन्हें ललकारते रहे तब उन्होंने तीन राउंड और फायर किया।

इस बीच उन्होंने उक्त आठ अपराधियों में से तीन अपराधियों को पहचान लिया। जिनकी पहचान राजा लोधी निवासी ग्राम रमपुरा अरविंद पटेल निवासी ग्राम कुमरोढ़ा तथा रामसेवक गौड़ निवासी ग्राम रमपुरा के रूप में हुई है। घटना के दौरान किसी भी वनकर्मी को कोई हानि नहीं हुई है। उक्त आरोपियों के विरुद्ध सुआताला थाना में एफआईआर दर्ज कर दी गई है। पुलिस बल की सहायता से तथा टाइगर रिजर्व में उपलब्ध डॉग स्क्वाड की सहायता से वन अमले द्वारा लगातार सर्च की गई। चूंकि रात्रि अधिक होने के कारण आज 04 फरवरी को प्रातः से ही पुनः सर्चिंग अभियान जारी रहा। पुलिस की सहायता से आरोपियों की लोकेशन भी प्राप्त कर उनके मकान आदि की सर्चिंग की गई, जिसमें सागौन की इमारती लकड़ी, भाला, जानवरों को काटने के हथियार तथा जानवरों के अंग आदि जप्त की गई है।

स्कूल बस जब्त की, 2 वाहनों से 16,500 रुपए जुर्माना वसूला

सागर। दोपहर मेट्रो

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा शहरी क्षेत्र में 22 स्कूल वाहनों एवं अन्य वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान 01 स्कूल बस में कैमरा चालू नहीं, टायर रिमोल्ड, आपातकालीन द्वार खुल नहीं रहा, चालक निर्धारित गणवेश में नहीं एवं मौके पर वाहन से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं पाये जाने पर उक्त वाहन को जप्त किया। चैकिंग के दौरान यात्री बस एवं अन्य वाहनों की जांच की गई, जांच के दौरान यह पाया गया कि दो यात्री बसों में एचएसआरपी नम्बर प्लेट, रिफ्लेक्टर टेप नहीं, वाहन से संबंधित दस्तावेज मौके पर नहीं पाये गये, चालक का लायसेंस एवं चालक निर्धारित गणवेश में नहीं आदि कमियां पाये जाने पर मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत् चालानी कार्यवाही करते हुए राशि रू. 16500 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया।

मेट्रो एंकर | महिला पुलिस थाने की काउंसलिंग में परिवार के महत्व समझाते हुए पति-पत्नी में कराई सुलह

मामूली विवादों में टूटने की कगार पर आए रिश्तों को जोड़ा

धार। दोपहर मेट्रो

दंपत्ति द्वारा पारिवारिक मामूली विवादों में टूटने की कगार पर आए रिश्तों को जोड़ते हुए महिला थाना पुलिस ने परिवार के महत्व को समझाते हुए दोनों में सुलह कराई। पति और पत्नी ने अपनी-अपनी गलतियों को मानकर एक दूसरे से माफी मांगी और भविष्य में हंसी खुशी रहने का वचन भी दिया।

दरअसल पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर, पारुल बेलापुरकर के मार्गदर्शन में डीएसपी आंनद तिवारी द्वारा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्रवाई करने एवं पति-पत्नी के पारिवारिक मामूली विवादों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर समझाइश के माध्यम से रिश्तों को टूटने से बचाने हेतु महिला थाना प्रभारी को विशेष रूप से निर्देशित किया गया। धार में महिला थाने में आवेदिका रेखाबाई (परिवर्तित नाम) द्वारा एक शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उल्लेख किया गया कि आवेदिका का विवाह सामाजिक रीति-रिवाज से 10 वर्ष पूर्व हुआ था तथा उनके दो बच्चे है। वर्तमान में तीन साल से पति एवं ससुराल पक्ष द्वारा घर की छोटी छोटी बातों को लेकर विवाद एवं पति द्वारा शराब पीकर मारपीट करते थे इस संबंध शिकायत आवेदन दिया गया था। महिला थाना प्रभारी द्वारा उक्त शिकायत की जांच प्रधान आरक्षक रतनसिंह कटारे को सौंपी गई तथा त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए महिला पुलिस टीम द्वारा तत्काल दोनों पक्षों को थाने बुलाकर पृथक-पृथक समझाइश दी गई। परिवार के महत्व को समझाते हुए साथ रहकर जीवन व्यतीत करने हेतु भरसक प्रयास किया गया।

परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के मध्य आपसी सुलह हो गई। पति-पत्नी दोनों ने अपनी-अपनी गलतियों के लिए एक-दूसरे से माफी मांगी तथा भविष्य में हंसी-खुशी साथ रहने का वचन दिया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक क्लेर डामोर, सउनि रामसिंह गौर, प्रधान आरक्षक रतन कटारे, आरक्षक परसराम जाधव एवं आरक्षक राकेश देवल की विशेष भूमिका रही।

15 फरवरी को कोलंबो में शिड्यूल है हाई-वोल्टेज मैच

शहबाज शरीफ ने की पुष्टि...भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच नहीं खेलेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद , एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पुष्टि की कि उनकी क्रिकेट टीम आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ ग्रुप मैच नहीं खेलेगी. भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप-ए का यह हाई-वोल्टेज मैच 15 फरवरी को कोलंबो में खेला जाना है. कैबिनेट बैठक में शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाया है.

उन्होंने कहा, %हमने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बहुत सोच-समझकर फैसला लिया है कि भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे. खेल का मैदान राजनीति के लिए नहीं होना चाहिए. हम बांग्लादेश के साथ खड़े हैं और यह एक उचित निर्णय है.% शहबाज शरीफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में खबरें सामने आई थीं कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार को लेकर कोई औपचारिक सूचना नहीं दी है.

2024 में भी भारत ने किया था क्लीन स्वीप

सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस फैसले पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को कोई आधिकारिक ईमेल भेजने से इनकार कर रहा है। यदि पीसीबी औपचारिक रूप से आईसीसी को सूचित नहीं करता है, तो भारत-पाकिस्तान मैच शेड्यूल में बना रहेगा और इस मुद्दे पर अनिश्चितता जारी रह सकती है। बताया जा रहा है कि आईसीसी पाकिस्तान की ओर से आधिकारिक पत्र का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। भारतीय क्रिकेट टीम 15 फरवरी को कोलंबो जाएगी। कप्तान सूर्यकुमार यादव मैच की पूर्व संध्या पर होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे और टॉस के लिए मैदान पर उतरेंगे। यदि पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा टॉस के लिए नहीं आते हैं, तो मैच रेफरी भारत को वॉकओवर देगा। इस तरह भारत को दो अंक मिलेंगे। हालांकि, अगर भारत कोलंबो नहीं जाता है और पाकिस्तान की टीम भी नहीं आती है, तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा।

पाकिस्तान के बायकॉट को गौतम गंभीर ने किया इग्नोर

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर चल रहे बायकॉट विवाद पर भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने पूरी तरह चुप्पी साध ली है। पाकिस्तान सरकार द्वारा 15 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच के बायकॉट के ऐलान के बाद जहां क्रिकेट जगत में चर्चाओं का बाजार गर्म है, वहीं गंभीर ने इस पूरे मसले से खुद को अलग रखा है।

मुंबई में भारत के पहले वॉर्म-अप मैच से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान जब गंभीर से पाकिस्तान के बायकॉट ड्रामे पर सवाल पूछे गए, तो उन्होंने किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। रिपोर्टर्स से घिरे गंभीर ने सिर्फ मुस्कुराते हुए 'Thank you' कहा और आगे बढ़ गए। पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच खेलने से इनकार करने की घोषणा की है। इस फैसले पर आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से पुनर्विचार की अपील की है। हालांकि क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अंत में पाकिस्तान को अपने रुख से पीछे हटना पड़ सकता है, लेकिन फिलहाल इस राजनीतिक टकराव का खामियाजा क्रिकेट को भुगतना पड़ रहा है। गौतम गंभीर का यह रवैया चौंकाने वाला नहीं है। बतौर खिलाड़ी और अब कोच, गंभीर हमेशा भारत के हित को सबसे ऊपर रखते आए हैं। 2007 की द्विपक्षीय सीरीज में शाहिद अफरीदी से भिड़ंत हो या 2009 एशिया कप में कामरान अकमल पर तंज, गंभीर कभी भी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी बात रखने से पीछे नहीं हटे। 2022 एशिया कप में भी उन्होंने भारत विरोधी नारेबाजी करने वाले पाकिस्तानी दर्शकों को सरेआम जवाब दिया था।

भारत मे क्रिकेट का बुखार....

छुटका, बड़का की टीमों ने मचाया बवाल... आज छोरियों का धमाल...

फरवरी माह यानी भारत मे क्रिकेट का महीना....सही मायने में राजनीतिक गलियारे से शुरू हुए क्रिकेट फीवर अब मैदान पर अपने जलवे दिखा रहा है ।इस माह के पहले ही दिन पाकिस्तान की टी20 वर्ल्ड में मैदान छोड़ने की घोषणा से इतर भारत के क्रिकेट रणकुंभेरों ने अब मैदान पर धमाल मचा रखा है ।एक ओर जहां अंडर19 वर्ल्ड कप में छुटके शेरों ने जिम्बाब्वे में बवाल मचाया हुआ है,वहीं बात अगर बड़कों की करें तो फिर इसी दिन मुंबई के अभ्यास मैच में इनके बल्ले के विस्फोट से सभी दावेदार टीमों की नींद हराम कर दी है। फिर अब वर्ल्ड चैंपियन भारत की लड़कियां कहाँ पीछे रहने वाली है ।उनका धमाल आज बड़ोदरा के क्रिकेट मैदान में देखने को मिलेगा जब आरसीबीऔर दिल्ली कैपिटल्स के बीच डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा ।मतलब साफ है आने वाले पूरे माह भारत मे क्रिकेट का बुखार चरम पर रहने वाला है ।आज होने वाले डब्ल्यूपीएल फाइनल के बाद कल होने वाला अंडर 19 वर्ल्ड कप फाइनल और फिर टीम इंडिया का मिशनडिफीट हिस्ट्री रिपीट हिस्ट्री यानी वर्ल्ड कप में खिताब बचाने इतिहास लिखने की बारी पूरे माह चलेगी ।ऐसे में खेलप्रेमियों के लिए दिन प्रतिदिन क्रिकेट का बुखार बढ़ते क्रम में ही नजर आयेगा। अब अगर हम बात इसके पहले दिन यानी काल खेले गए मैचों की करें तो फिर बुलावायो में अपराजित रही युवा टीम इंडिया ने हरारे में भी अपना यह अभियान जारी रखा ।मैदान बदलने का कोई असर टीम इंडिया पर नहीं पड़ा ।हरारे के मैदान पर अंडर19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है ।फाइनल में उसकी भिड़ंत कब इंग्लैंड से होगी। सेमीफाइनल में टॉस जीतकर अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में चार विकेट पर 310 रन बनाए ।जवाब में भारत ने धमाकेदार अंदाज में मात्र 41 ओवर के खेल में यह लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। भारतीय पारी में आरोन का शतक के अलावा वैभव और कप्तान आयुष म्हात्रे ने अर्धशतक की बदौलत छोटे शेरों ने अंडर-19 विश्व कप का सबसे बड़ा रन चेज का इतिहास भी रच दिया। दिलचस्प बात यह है कि भारत अंडर-19 विश्व कप के 16 सत्र में से 10 बार खिताबी मुकाबले में पहुंच चुका है जो सर्वाधिक है ।भारत ने रिकॉर्ड पांच बार यह टूर्नामेंट जीता है और अब उसके पास छठी ट्रॉफी जीतने का मौका है ।फाइनल में फैसला जो भी हो लेकिन सच तो यह है कि छोटे शेरों की सेमीफाइनल में दहाड़ से इस टीम के हौसले चरम पर हैं ।छुटकों से हटकर अब अगर हम बात टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के बड़कों की करे तो फिर अपना अधिकृत अभियान शुरू करने से पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने अपना धमाल जस का तस रहा,जैसा की हाल ही में खेली गई न्यूजीलैंड सीरीज में था। न्यूजीलैंड सीरीज के समापन के साथ ही तय माने जा रहे नये टीम संयोजन पर ही भारतीय टीम ने इस मैच में मोहर लगा दी। दरअसल सैमसन की जगह ईशान को ओपनिंग करने भेजा,जबकि तिलक वर्मा को तीसरे नंबर पर भेजा ।तीनों ही लेफ्ट हैंडर ने विस्फोटक पारियां खेलकर मौजूदा वर्ल्ड कप की दावेदार टीमों को सकते में तो डाल ही दिया होगा ।वैसे सच तो यह है कि सभी बल्लेबाजों ने मैच में अपने बल्ले की ताकत दर्ज की है। सही मायने में भारत के लिए इस मैच में बल्लेबाजों ने तो अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाज अंत में महंगे साबित हुए ।वैसे टीम के 3 प्रमुख गेंदबाजों का किरदार तो इस मैच में ठीक कहा जा सकता है वजह बुमराह ने गेंदबाजी नहीं की, जबकि चक्रवर्ती ओर अर्शदीप हमेशा की तरह उपयोगी नजर आये ।टीम इंडिया के लिए गेंदबाजी में अच्छे प्रयोग यह कहे जा सकते हैं कि अभ्यास मैच में तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को भी आजमाया गया ।खैर जो भी हो क्रिकेट के लिहाज से कल का दिन बेहद रोचक रहा ।अब बारी आज की है जब स्मृति मंधाना की अगुआई वाली आरसीबी बनाम दिल्ली मैदान पर उतरेगी। आरसीबी ने 2024 में इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम जीता था, जबकि लगातार चार बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली को अपने पहले खिताब की तलाश है ।मतलब आज का दिन क्रिकेट के नजरिये से छोरियों के नाम रहने वाला है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

गुकेश नॉर्वे शतरंज में खेलेंगे, कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी होंगे शामिल

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश मई में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी शिरकत करेंगे। गुकेश ने 25 मई से पांच जून तक होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। यह दुनिया के सबसे कड़े शतरंज टूर्नामेंट में से एक होगा। यह प्रतियोगिता अपने पारंपरिक स्थल स्टेवेंगर से ओस्लो में स्थानांतरित होने वाली है।

पिछले साल ओपन वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे भारतीय स्टार गुकेश खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन के रूप में ओस्लो आएंगे। गुकेश ने कहा, मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से हिस्सा लेकर बहुत खुश हूं। हमेशा की तरह बहुत मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करूंगा और सभी रोमांचक बाजियों का इंतजार कर रहा हूं।

गुकेश ने 2024 में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता और फिर तत्कालीन विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर सिर्फ 18 साल की उम्र में विश्व खिताब हासिल किया। गुकेश ने अपनी प्रगति के दौरान कई उपलब्धियां हासिल की जिसमें 2750 रेटिंग अंक पार करने वाला अब तक का सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनना और 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करना शामिल है। वह शतरंज के इतिहास में तीसरे सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर हैं।

प्रज्ञानंद-दिव्या भी होंगे शामिल

नॉर्वे शतरंज में 2025 में गुकेश ने कार्लसन पर अपनी पहली क्लासिकल जीत भी हासिल की थी। कार्लसन ने पिछले महीने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि की थी। सभी प्रारूप में 20 बार के विश्व चैंपियन ने पिछले 13 वर्षों में हमेशा अपने घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। हालांकि उन्होंने धीरे-धीरे क्लासिकल शतरंज से दूर होने की इच्छा जताई थी। नॉर्वे शतरंज एक क्लासिकल प्रारूप की प्रतियोगिता है और मौजूदा विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ चैंपियन कार्लसन ने इसे सात बार जीता है। एक अन्य भारतीय स्टार आर प्रज्ञानंद ने भी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। भारतीय ग्रैंडमास्टर और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख नॉर्वे शतरंज में महिलाओं के वर्ग में पदार्पण करेंगी और 2024 में इस वर्ग के शुरू होने के बाद महिलाओं के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन जाएंगी।

टी-20 आईसीसी रैंकिंग

वर्ल्ड कप से पहले ईशान किशन ने लगाई 32 पायदान की छलांग

नई दिल्ली। पाकिस्तान के ओपनर सैम अयूब ने शानदार हालिया प्रदर्शन का पूरा फायदा उठाते हुए आईसीसी मेंस टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में टॉप पोजीशन हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सरज़मीं पर खेली गई तीन मैचों की अी20 सीरीज़ में 3-0 से मिली जीत के बाद सैम अयूब नंबर-1 बन गए हैं और उन्होंने जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ दिया है।

23 वर्षीय सैम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 119 रन बनाए और तीन विकेट भी हासिल किए थे । आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप के आगाज से ठीक पहले आई यह रैंकिंग पाकिस्तान के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है, क्योंकि टीम 2009 के बाद अपने दूसरे टी20 वर्ल्ड कप खिताब की तलाश में उतरने जा रही है। पाकिस्तान के लिए खुशखबरी यहीं खत्म नहीं होती। स्पिनर अबरार अहमद ने टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में छह विकेट लेने वाले अबरार अब भारत के वरुण चक्रवर्ती से सिर्फ 28 रेटिंग अंक पीछे हैं। इसके अलावा मोहम्मद नवाज ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। आखिरी मुकाबले में पांच विकेट लेने के बाद नवाज गेंदबाज़ों की रैंकिंग में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बड़ा पाव गर्ल पर भड़का पति, कहा- तुझे मैंने बनाया है , कहा- अपने पर आ गया तो... बहुत कुछ कर दूंगा

वड़ा पाव गर्ल उर्फ चंद्रिका दीक्षित एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनकी निजी जिंदगी में काफी उथल-पुथल चल रही है। चंद्रिका ने पति युगम गेरा पर धोखा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने मिस्ट्री गर्ल संग पति की तस्वीरें और चैट भी रिवील की हैं। अब युगम ने इंस्टाग्राम एक वीडियो शेयर कर पत्नी के आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है। जानते हैं कि पूरे विवाद पर युगम का क्या कहना है।

पत्नी के आरोपों पर बोले युगम – वड़ा पाव गर्ल के पति युगम गेरा उर्फ यश दीक्षित ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसका कैप्शन था, तुझे मैंने बनाया है याद रख। उन्होंने माना कि उनसे गलती हो गई, लेकिन ये बात उतनी बड़ी नहीं है, जितनी चंद्रिका ने बना दी। उन्होंने कहा कि उनके पास भी सबूत हैं। युगम ने कहा कि अगर मैं अपनी पर आ गया, तो बहुत कुछ कर सकता हूं, लेकिन नहीं करूंगा।

वड़ा पाव बेचकर फेमस हुआ था कपल – ये कपल पहले वड़ा पाव स्टॉल से फेमस हुआ था। कपल को लेकर तमाम कॉन्ट्रोवर्सी भी हुईं, जैसे स्टॉल हटवाना और पुलिस से झगड़ा। चंद्रिका तो पब्लिक में एक्टिव रहती हैं, लेकिन युगम कम ही बोलते देखे जाते हैं। वो व्लॉग बनाते हैं और अपनी फैट टू फिट जर्नी शेयर करते हैं।

क्या है पति-पत्नी का पंगा

चंद्रिका ने पति पर चीटिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर रोते हुए अपना दर्द बयां किया। चंद्रिका ने बताया कि वो 2 महीने से चुप थीं। सब अकेले बर्दाशत कर रही थीं। पर अब अति होने पर उन्होंने दुनिया के सामने सच लाने का फैसला किया। युगम का कहना है कि चंद्रिका से झगड़ा इसलिए हुआ, क्योंकि वो जिम में टाइम स्पेंड कर रहे थे। इसके बाद वो बाइक राइड पर चले गए, जिससे चंद्रिका को नेगलेक्ट फील हुआ। चंद्रिका सच्ची हैं या युगम, ये सिर्फ वही बता सकतें हैं। लोग वही सच समझेंगे, जो उन्हें दिखाया जाएगा। चंद्रिका को फैंस ने बिग बॉस ओटीटी 2 में देखा था। वो शो नहीं जीत पाईं। लेकिन इससे उन्हें खूब लाइमलाइट मिली थी। एक बार फिर वो सुर्खियों में हैं।

50 की उम्र में लीसा रे ने बदली बीच बॉडी की परिभाषा बोलीं- अब मंजूरी नहीं, आजादी जरूरी

फिल्म और फैशन की दुनिया में फिटनेस और लुक्स काफी मायने रखते हैं। ऐसे में एक्ट्रेसेस के लिए उम्र बढ़ने के साथ यह दबाव और भी बढ़ता जाता है, लेकिन कुछ अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने इन दबावों को नहीं माना और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हैं। अभिनेत्री लीसा रे उन्हीं में से एक हैं। 50 साल की उम्र में उन्होंने बीच बॉडी की सोच को नए मायने दिए हैं और इसे आत्मस्वीकृति, आजादी और आत्मसम्मान से जोड़कर देखा है। लीसा रे ने इंस्टाग्राम पर बीच से अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने लिखा, एक समय था जब बीच पर खूबसूरत दिखने का मतलब एक तय इमेज से जोड़ा जाता था, रेड स्विमसूट, रेड लिपस्टिक और हर हाल में परफेक्ट दिखने का दबाव। साल 1991 के ग्लैडरैग्स कवर ने मेरी यही छवि लोगों के मन में बसा दी थी और इसी छवि के सहारे मैंने अपना करियर भी बनाया। लेकिन, आज मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने आज रखती है।

उन्होंने आगे लिखा, शरीर समय के साथ बदला है, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आए हैं, बीमारियों से लड़ी हूं और खुद को फिर से खड़ा किया है। अब दूसरों की मंजूरी से ज्यादा सुकून अपने आप को स्वीकार करने में मिलता है। उन असंभव सुंदरता मानकों से बाहर निकलना ही मुझे असली राहत है। ये मानक महिलाओं के लिए बनाए ही ऐसे गए थे कि उन्हें पूरा करना मुश्किल लगता है। लीसा रे ने हॉलीवुड अभिनेत्री पामेला एंडरसन का जिक्र किया।

मेट्रो बाजार

भारत का सर्विसेज पीएमआई जनवरी में 58.5 रहा : रिपोर्ट

नई दिल्ली । एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई जनवरी महीने में दो महीने के उच्चतम स्तर 58.5 पर पहुंच गया, जो दिसंबर के 58.0 से ज्यादा है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित डेटा के मुताबिक, इसमें बढ़ोतरी नए बिजनेस और आउटपुट में तेजी के कारण देखी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में सर्विस प्रोवाइडर्स ने जनवरी में ग्रोथ में रिकवरी देखी है। वे आउटलुक को लेकर भी ज्यादा पॉजिटिव थे। इस कारण उन्होंने अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति की है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इनपुट लागत और बिक्री मूल्य में वृद्धि के बाद भी तेजी देखी गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि आउटपुट ग्रोथ के पीछे मुख्य कारण मांग में तेजी, नया बिजनेस मिलना और टेक्नोलॉजी निवेश था। एचएसबीसी के चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत का सर्विसेज पीएमआई जनवरी में 58.5 हो गया, जो दिसंबर में 58.0 था, जो इस सेक्टर में लगातार तेजी का संकेत देता है। मजबूत आउटपुट ग्रोथ नए ऑर्डर के लगातार आने से हुई, जिसमें दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया से इंटरनेशनल डिमांड में बढ़ोतरी भी शामिल है।बिजनेस कॉन्फिडेंस तीन महीने के सबसे ऊंचे लेवल पर पहुंच गया, जिसे एफिशिएंसी में सुधार, असरदार मार्केटिंग और नए क्लाइंट मिलने से सपोर्ट मिला। भंडारी ने कहा, हालांकि, इनपुट और आउटपुट कीमतें बढ़ रही हैं, लेकिन ऐतिहासिक मानकों के हिसाब से ये काफी कम हैं। जनवरी में कंपोजिट पीएमआई भी मजबूत हुआ, जो मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों में मजबूत डिमांड ग्रोथ को दिखाता है।

आदित्य बिड़ला ग्रुप बनाएगा फिल्म अनन्या ने लॉन्च किया बिड़ला स्टूडियो

मुंबई। जैसे-जैसे भारत का सिनेमा उद्योग अपने रेवेन्यू आधार को कुछ सफल शीर्षकों के इर्द-गिर्द संकुचित करते हुए बढ़ता है, अनन्या बिड़ला ने बिड़ला स्टूडियोज़ की शुरुआत की है, जो फिल्म निर्माण में एक नए कॉर्पोरेट-समर्थित प्रवेशकर्ता का संकेत देता है, जैसा कि समाचार रिपोर्टों के अनुसार। हालांकि भारत के बॉक्स ऑफिस संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर हैं, लेकिन कमाई तेजी से टेंटपोल रिलीज़ और स्लीपर हिट्स के बीच केंद्रित हो रही है, जिससे मिड-बजट फिल्मों पर दबाव पड़ रहा है और पूरे क्षेत्र में एकीकरण हो रहा है। इस बदलाव ने बड़े व्यापारिक समूहों को मनोरंजन के प्रति अपने एक्सपोजर को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। आदित्य बिड़ला ग्रुप पहले से ही एप्लॉज एंटरटेनमेंट के माध्यम से कंटेंट स्पेस में काम करता है, जो स्कैम 1992 और क्रिमिनल जस्टिस जैसे शो के लिए जाना जाता है। बिड़ला स्टूडियोज़ एक बहुभाषी स्लेट बनाएगा जो हिंदी, गुजराती, मलयालम और अन्य क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेजी-भाषा की अंतरराष्ट्रीय सिनेमा को शामिल करेगा। स्टूडियो शैली-अज्ञेयवादी रहेगा और व्यावसायिक व्यवहार्यता को प्रतिभा विकास और रचनात्मक जोखिम लेने के साथ जोड़ने का लक्ष्य रखता है। सिनेमा उन कहानियों को बताने के सबसे शक्तिशाली माध्यमों में से एक है। अपनी सबसे शक्तिशाली स्थिति में, सिनेमा एक तत्काल कनेक्शन बनाता है जबकि एक स्थायी प्रतिध्वनि छोड़ता है,अनन्या बिड़ला ने कहा। उन्होंने कहा कि स्टूडियो ऐसी फिल्मों की स्लेट तैयार करने पर केन्द्रित होगा जो सांस्कृतिक महत्व को मजबूत मनोरंजन मूल्य और नई प्रतिभा को पोषित करने के लिए एक सचेत रुख के साथ संतुलित करती हैं।

सिंहस्थ की तैयारी

भूखी माता मंदिर के समीप शिप्रा पर पुल निर्माण

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान शासन और प्रशासन लगा रहा है। इसके हिसाब से ही व्यवस्थाएं भी जुटाई जा रही है। ऐसे में भीड़ प्रबंधन के लिए शिप्रा के किनारों पर 29 किमी के नए घाट बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा शहर में 800 करोड़ से अधिक की लागत से 20 से अधिक पुल-आरओबी के निर्माण भी करवाए जा रहे हैं। इनमें से कुछ ब्रिज शिप्रा नदी पर बनाए जा रहे हैं ताकि नदी को पार करने में मदद मिले। भूखी माता मंदिर के सामने शिप्रा नदी पर पुल निर्माण चल रहा है। यह पुल सिंहस्थ के दौरान भीड़ प्रबंधन में बहुत कारगर होगा। निर्माण एजेंसियां समय सीमा में और गुणवत्ता के साथ प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में जुटी हुई हैं।

तमिलनाडु के मंत्री का विवादित बयान

उत्तर भारत के लोग यहां टेबल साफ करने आते हैं...

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने उत्तर भारतीयों को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर के लोग सिर्फ हिंदी जानते हैं, इसलिए उन्हें अच्छी नौकरियां नहीं मिलतीं और वे तमिलनाडु आकर टेबल साफ करने, मजदूरी करने या पानी पूरी बेचने जैसे काम करते हैं। वहीं, तमिलनाडु की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) की वजह से यहां के बच्चे अमेरिका, लंदन जैसी जगहों पर करोड़ों कमा रहे हैं। यह बयान दो-भाषा बनाम तीन-भाषा की पुरानी बहस को फिर से भड़का रहा है, खासकर जब विधानसभा चुनाव बस कुछ हफ्तों दूर हैं। मंत्री ने चेंगलपट्टू जिले में एक पार्टी कार्यक्रम में यह बात कही है। उन्होंने कहा, 'उत्तर के लोग यहां टेबल साफ करने आते हैं... वे कंस्ट्रक्शन मजदूर बनकर या पानी पूड़ी बेचकर काम करते हैं, क्योंकि उन्होंने सिर्फ हिंदी सीखी है।

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन हमारे बच्चे दो-भाषा नीति की वजह से अंग्रेजी अच्छी तरह सीखते हैं और विदेश जाते हैं। वे अमेरिका, लंदन में करोड़ों कमाते हैं।

'भाजपा ने की कड़ी निंदा

बीजेपी ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने इसे अपमानजनक बताया और कहा कि डीएमके नेता बार-बार प्रवासी मजदूरों, खासकर उत्तर भारतीयों और हिंदी भाषियों को निशाना बना रहे हैं। तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख नैनार नागेंद्रन ने एक्स पर पोस्ट किया कि मंत्री ने उत्तर भारतीयों को 'टेबल क्लीनर और पानी पूरी सेलर' कहकर मजाक उड़ाया। उन्होंने लिखा, 'आज के भारत में हर राज्य के लोग हर जगह काम करते हैं। कोई काम छोटा नहीं, कोई नागरिक हीन नहीं।' बीजेपी ने डीएमके पर सामाजिक विभाजन फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि यह पार्टी उत्तर भारतीयों को निशाना बनाकर सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रही है।

न्यूज विंडो

28 हजार सस्ती हुई चांदी: वायदा बाजार में भाव 2.40 लाख पर

नई दिल्ली। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार दो दिन की तेजी के बाद आज गिरावट है। वायदा बाजार में चांदी के दाम में करीब 28 हजार रुपए (11%) की गिरावट है। 1 किलो चांदी का भाव 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सोने का दाम भी करीब 3 हजार रुपए (2%) गिर गया है। 10 ग्राम सोना 1.50 लाख रुपए पर है। इससे पहले 29 जनवरी से 2 फरवरी के बीच चांदी की कीमत 1.60 लाख रुपए कम हुई थी। वहीं सोने की कीमत में 26 हजार रुपए कम हुई थी।

सोने-चांदी में गिरावट की 2 वजह: प्रॉफिट बुकिंग: सोने-चांदी की कीमत हाल के दिनों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुक किया।

फिजिकल डिमांड में कमी: ऑल टाइम हाई के बाद फिजिकल डिमांड कमजोर हुई, साथ ही

लड़कियों के अश्लील डीपफेक फोटो और वीडियो बनाए, दो गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के कोतवाली थाना क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग का एक बेहद विचलित करने वाला मामला सामने आया है। यहां 15-16 साल के दो लड़कों ने तकनीक का इस्तेमाल कर 9 लड़कियों की तस्वीरों को अश्लील तस्वीरों और वीडियो में बदल दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि यह किसी फिरौती या ब्लैकमेलिंग के लिए नहीं, बल्कि 'मानसिक विकृति' के चलते किया गया। 24 जनवरी की रात इस पूरे कांड का खुलासा हुआ। नागपुर रोड निवासी एक पीड़ित लड़की को उसके मोहल्ले के ही एक लड़के ने टेलीग्राम ऐप पर उसकी और उसकी दो सहेलियों की ढ्ढ जनरेटेड न्यूड तस्वीरें दिखाई। जब पीड़िता ने लड़के का मोबाइल चेक किया, तो पता चला कि वह तस्वीरें न केवल बनाई गई थीं, बल्कि वॉट्सएप के जरिए अन्य दोस्तों को शेयर भी की जा रही थीं। कोतवाली टीआई आशीष कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर टीम की मदद ली। जांच में पता चला कि कुल 9 लड़कियों को निशाना बनाया गया है।

मादुरो की बढ़ी मुश्किलें, अर्जेंटीना ने अमेरिका से की सौंपने की मांग

वाशिंगटन। अर्जेंटीना ने अमेरिका से वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपने की औपचारिक मांग की है। फिलहाल वह न्यूयॉर्क की एक जेल में बंद हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने एक विशेष ऑपरेशन में पिछले महीने मादुरो को पकड़ा था। मामले में अर्जेंटीना के संघीय जज ने एक वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस काराकास में मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा करवाई। इसमें लोगों को प्रताड़ित करना और जबरन गायब करना शामिल है। इस मामलों में उन वेनेजुएला के नागरिकों को वादी बनाया गया है जिन्होंने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंटों के हाथों भयानक यातनाएं झेली हैं। यह कानूनी लड़ाई साल 2023 में ब्यूनस आयर्स में मानवाधिकार संगठनों ने शुरू की थी। यहां की अदालतें पहले भी देश के बाहर मानवाधिकार हनन के मामलों की जांच करती रही हैं। तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने मादुरो को सत्ता से हटाया था, जिसके बाद अर्जेंटीना के सरकारी वकीलों ने जज रामोस से इस प्रत्यर्पण अनुरोध को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था।

नरवणे की बुक पर बवाल! बीजेपी ने शेयर किया पूर्व आर्मी चीफ का वीडियो, बताया-

हमने एक इंच भूमि भी नहीं खोई!

नई दिल्ली, एजेंसी

राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे की किताब के कुछ अंश का हवाला देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर लगातार निशाना साथ रहे है । हालांकि यह किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है। इस विषय पर संसद और सोशल मीडिया में सत्तापक्ष और कांग्रेस के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक एवं हंगामा देखने को मिल रहा है। इस हंगामे के बीच बीजेपी की ओर से एम एम नरवणे की ओर से दिए गए बयान को साझा किया गया।

बीजेपी की ओर से जो वीडियो शेयर किया गया है उसमें पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भूमि का एक इंच भी खोया नहीं है। हम ठीक वहीं हैं जहां हम थे। बीजेपी की ओर से कहा गया है कि झूठे नैरेटिव को आगे बढ़ाने के लिए राहुल गांधी ने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया और एक पूर्व सेना प्रमुख को अपनी गंदी राजनीति में घसीट लिया। वो भी एक ऐसी किताब के जरिए जो अभी प्रकाशित भी नहीं हुई है। वहीं केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हमारी पार्टी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव शुरू किया। हम सभी विपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाषण सुनने के लिए बैठे थे। लेकिन शुरू से ही राहुल गांधी ने नियमों का उल्लंघन किया और एक ऐसी किताब से कोट करना शुरू कर दिया, जिसके पब्लिकेशन और ऑथेंटिसिटी के बारे में साफ तौर पर कुछ नहीं बताया गया है।

....तो प्रधानमंत्री के जवाब का क्या मतलब

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपना भाषण पूरा नहीं करने दिया गया और पूरी चर्चा नहीं हुई तो फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जवाब देने का कोई अर्थ नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई पार्टी के प्रमुख नेताओं की बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'पिछले तीन दिनों से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है और वह अपना भाषण पूरा नहीं कर पाए हैं।'

राहुल को गांधी-नेहरू परिवार का होने का घमंड: शर्मिष्ठा

पूर्व कांग्रेस नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता एवं पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी पर किताब लिखी है। इस किताब में शर्मिष्ठा ने अपने पिता के हवाले से कई खुलासे किए गए हैं। किताब में दावा किया है कि 2013 में राहुल गांधी द्वारा एक अध्यादेश की प्रति फाड़े जाने की घटना से वह (प्रणब) स्तब्ध रह गए थे। प्रणब मुखर्जी ने कहा था, उन्हें (राहुल के) खुद के गांधी-नेहरू परिवार का होने का घमंड है। किताब में दावा किया गया है कि यह घटनाक्रम 2014 के

मनमोहन सरकार के वक्त पूर्व जनरल ने रॉ पर लिखी किताब, 19 साल से लड़ रहे केस

नरवणे आत्मकथा विवाद बीच एक पुराना मामला फिर सुर्खियों में आ गया है। यह मामला मेजर जनरल (रिटायर) वीके सिंह का है, जिनकी 2007 में प्रकाशित किताब 'इंडियाज एक्सटर्नल इंटेलिजेंस: सीक्रेट्स ऑफ रिसर्च एंड एनालिसिस विंग' है। किताब प्रकाशित होने के 19 साल बाद भी उन पर ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के तहत मुकदमा चल रहा है। मामले की अभी तक ट्रायल शुरू नहीं हुआ है।दरअसल, द इंडियन एक्सप्रेस अखबार ने उनकी इस जनरल की पूरी कहानी प्रकाशित की है। जनरल सिंह अब 81 वर्ष के हो चुके हैं। वह 2002 में रिटायर हुए थे। वह 2004 तक रॉ में डेपुटेशन पर रहे। उनकी किताब प्रकाशित होने के तुरंत बाद 2007 में सीबीआई ने ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। जब यह मामला उजागर हुआ तब केंद्र में दिवंगत प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार थी। हालांकि इस केस से मनमोहन सरकार का कुछ सीधा लेना-देना था या नहीं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में इसका कोई जिक्र नहीं किया गया है।

नीट छात्रा मौत मामला

रद्द होगा शंभू हॉस्टल का लाइसेंस, दोबारा नहीं खोल पाएंगे कोई ब्रांच

पटना। नीट-यूजी की तैयारी कर रही जहानाबाद की छात्रा की मौत मामले में पटना के चित्रगुप्त नगर के हॉस्टल संचालक पर कार्रवाई की जाएगी। हॉस्टल का लाइसेंस भी रद्द कराया जाएगा। डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि हॉस्टल प्रशासन ने पुलिस को सही समय पर सूचना नहीं दी। हास्टल प्रशासन की जिम्मेदारी है कि सामान्य से सामान्य घटना है तो थाने को जानकारी देनी चाहिए।

नीट छात्रा मामले में पुलिस को सूचना देने पर कोताही बरती गई और काफी विलंब हुआ। ऐसे में हॉस्टल चलाने का लाइसेंस रद किया जाएगा। पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि हॉस्टल संचालिका अब पटना में कोई भी हॉस्टल का संचालन नहीं कर सके।वहीं दूसरी तरफ इस मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को पीड़िता के गांव से बेटी बचाओ न्याय यात्रा की शुरुआत की गई, जिसका नेतृत्व घोसी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रामबली यादव ने किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा अरवल, जहानाबाद, नालंदा और औरंगाबाद होते हुए 10 फरवरी को पटना पहुंचकर विधानसभा के द्वार पर समाप्त होगी।

अमेरिकी कोर्ट का फैसला, बिना वारंट अप्रवासी को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे ICE एजेंट

वॉशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड में एक फेडरल जज ने अहम फैसला सुनाया। उन्होंने कहा, ओरेगन में अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंटों को बिना वारंट के अप्रवासी लोगों को गिरफ्तार करना बंद करना होगा, जब तक कि उनके भागने की संभावना न हो।

अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज मुस्तफा कसुभाई ने इस मामले में शुरुआती रोक लगा दी है। यह फैसला एक प्रस्तावित क्लास-एक्शन मुकदमे के बाद आया है। यह मुकदमा होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के उस तरीके के खिलाफ था, जिसमें वे अप्रवासी को देखते ही पकड़ लेते थे। आलोचकों ने इसे 'पहले गिरफ्तार करो, बाद में सही ठहराओ' वाली नीति बताया है।

बिना जांच के गिरफ्तार किए गए थे लोग

आईसीई के एक्टिंग हेड टॉड लियोन्स ने इस बात पर जोर दिया गया था कि एजेंटों को अपने अधिकारियों से जारी वारंट के बिना गिरफ्तारी नहीं करनी चाहिए, जब तक कि व्यक्ति के भागने का ठोस कारण न हो। इस मामले में जज के सामने सबूत पेश किए गए कि ओरेगन में एजेंटों ने छापों के दौरान बिना वारंट या बिना जांच किए लोगों को गिरफ्तार किया है।

पूर्व पत्नी मेलिंडा के हमले के बाद बिल गेट्स ने दिया बड़ा बयान, कहा-

'एपस्टीन से मिलना...मेरी मूर्खता थी'

वाशिंगटन, एजेंसी

जेफरी एपस्टीन फाइल के खुलासों ने अमेरिका के कई दिग्गजों को मुश्किल में डाल दिया है। एपस्टीन फाइल में अमेरिकी उद्योगपति बिल गेट्स के खिलाफ भी कई बड़े खुलासे हुए हैं, जिसे लेकर उनकी पूर्व पत्नी मेलिंडा ने भी उन पर बड़ा हमला बोला है। इस बीच बिल गेट्स ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में जेफरी एपेस्टीन से मिलना खुद की मूर्खता बताया है। बिल गेट्स ने जेफरी एपस्टीन के साथ बिताए हर पल पर गहरा अफसोस जताया है।

बिल गेट्स पर था ये बड़ा आरोप: अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा पिछले सप्ताह जारी दस्तावेजों के नवीनतम बैच में कई प्रमुख हस्तियों और एपस्टीन के बीच ईमेल शामिल थे, जो अक्सर गर्मजोशी वाली दोस्ती, अवैध वित्तीय सौदे और निजी तस्वीरें दर्शाते हैं। इन दस्तावेजों में एक ड्राफ्ट ईमेल था, जिसमें एपस्टीन ने आरोप लगाया कि गेट्स ने वैवाहिक संबंधों के बाहर अफेयर किए। एपस्टीन ने लिखा कि गेट्स के साथ उनका संबंध 'रूसी लड़कियों के साथ सेक्स के परिणामों से निपटने के लिए बिल को ड्रग्स दिलाने से लेकर, विवाहित महिलाओं के साथ उनके अवैध मिलन की सुविधा प्रदान करने' तक फैला था।

बिल गेट्स ने मांगी माफी

बिलिनियर गेट्स ने दिए साक्षात्कार में कहा, 'उसके साथ मैंने जो भी मिनट बिताए, मुझे हर एक पर अफसोस है और मैं माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, 'वह ईमेल कभी भेजा नहीं गया। ईमेल झूठा है। मुझे नहीं पता उसकी क्या सोच थी। क्या वह मुझे किसी तरह निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था? 'गेट्स के प्रवक्ता ने भी नए दस्तावेजों के जारी होने के बाद इसी तरह का खंडन किया। उन्होंने कहा, 'ये दस्तावेज सिर्फ इतना दिखाते हैं कि एपस्टीन गेट्स के साथ संबंध न होने से निराश था और वह उन्हें फंसाने तथा बदनाम करने के लिए कितनी दूर तक जा सकता था।

मेट्रो एंकर

आमतौर पर गर्म क्षेत्र में पाए जाते है मोर, घटना ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ाई

मनाली में 6000 फीट ऊंचाई पर दिखे मोर, नहीं है शुभ संकेत

कुल्लू, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में मनाली के पास 6000 फीट से अधिक ऊंचाई पर जगतसुख गांव है। यह गांव पूरी तरह बर्फ से ढका है। इसी दौरान बर्फ से ढके जंगल में मोरों का एक जोड़ा देखा गया है। इस दुर्लभ दृश्य ने इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। आमतौर पर मोर गर्म क्षेत्र में पाए जाते हैं। बर्फ में नजर आए इन मोरों ने जगतसुख में सनसनी मचा दी है। मौसम वैज्ञानिकों और वन्यजीव संरक्षकों ने हैरानी जताई है। वहीं गांव के कुछ लोग इस घटना को किसी अनहोनी से जोड़ रहे हैं।

जगतसुख के 52 वर्षीय बालक राम शर्मा ने कहा, 'मैं दंग रह गया। मुझे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। हमारे जंगलों में बर्फ में दो मोर थे।' कुछ ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि ये जोड़े पिछले साल गर्मियों में जंगल में आए थे, लेकिन पहले बहुत कम दिखाई देते थे।

तापमान में वृद्धि का असर

कुल्लू के उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राजेश शर्मा ने टीओआई को बताया, 'हमें कुछ दिन पहले ग्रामीणों से सूचना मिली थी। हमने एक मोर की जांच की और पाया कि वह घायल नहीं था और उसकी उड़ान सामान्य थी। ग्रामीणों का कहना है कि ये जोड़ा छह महीने से अधिक समय से यहां रह रहा है।' उन्होंने कहा कि औसत तापमान में वृद्धि इस ऊंचाई पर मोरों के दुर्लभ दर्शन का एक कारण हो सकती है।

कुल्लू-मनाली के घरों में पंखे

वाइल्ड लाइफ संरक्षक ने कहा कि 10-15 साल पहले तक कुल्लू और मनाली के घरों में छत के पंखे नहीं होते थे। लेकिन अब ज्यादातर जगहों पर मौसम गर्म हो गया है और ऊंचे पहाड़ अब उतने ठंडे नहीं रहे जितने पहले थे, इसलिए मोरों को कुल्लू के ऊपरी इलाके रहने लायक लग रहे होंगे और वे वहां के वातावरण के अनुकूल ढलने लगे होंगे।

खाने की तलाश में पहुंचे मोर!

राजेश शर्मा ने कहा कि वे भोजन की तलाश में निचले इलाकों से भी पलायन कर रहे होंगे। राज्य के निचले पहाड़ी क्षेत्रों में मोरों की आबादी में वृद्धि हुई है और इन मोर का नजर आया शायद उसी का संकेत हैं। लेकिन फिलहाल कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी क्योंकि अभी भी यह दर्शन दुर्लभ ही है।

1500 मीटर ऊंचाई तक ही मिलते हैं मोर

हिमाचल प्रदेश में मोर आमतौर पर 1000 मीटर की ऊंचाई पर पाए जाते हैं, लेकिन कुछ ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और सोलन जैसे 1500 मीटर तक के क्षेत्रों में भी पनपते हैं। लगभग दो साल पहले, मनाली के पास डोभी गांव के जंगलों में 2000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर एक मोर देखा गया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564